website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 अंक : 323 पेज: 8 जयपुर, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025 मूल्य: 1.50 रुपये

भारत और नेपाल के बीच 400 केवी बिजली परियोजनाओं को लेकर हुआ समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और नेपाल के बीच 400 केवी बिजली परियोजनाओं को लेकर समझौता हुआ है। नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री कुलमान घिसिंग ने बुधवार को नई दिल्ली में भारत के केंद्रीय विद्युत एवं आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से भारत-नेपाल के बीच सीमापार बिजली व्यापार, क्षेत्रीय ग्रिड संपर्क और जलविद्युत परियोजनाओं के विकास पर विस्तृत चर्चा की। इसी दौरान दोनों देशों के बीच दो प्रमुख बिजली प्रसारण परियोजनाओं को लेकर समझौते भी किए गए।

दोनों देशों के बीच संयुक्त उपक्रम और अंशधारक समझौते पर किए गए हस्ताक्षर

केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार, भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी पावरग्रिड निगम लिमिटेड (पावरग्रिड) और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के बीच संयुक्त उपक्रम और अंशधारक समझौते (जेवी एंड एसएचए) पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों के तहत भारत और नेपाल में दो संयुक्त उद्यम कंपनियां स्थापित की जाएंगी, जो इनरुवा (नेपाल)–न्यू पूर्णिया (भारत) तथा लमकी (दोधारा) (नेपाल)–बरेली (भारत) के बीच 400 केवी की उच्च क्षमता वाली सीमापार बिजली परियोजनाओं का निर्माण करेंगी।

इन दोनों परियोजनाओं के पूरा होने पर भारत और नेपाल के बीच बिजली क्षमता में होगी वृद्धि

इन दोनों सीमापार बिजली प्रसारण लिंक परियोजनाओं के पूर्ण होने पर भारत और नेपाल के बीच बिजली क्षमता में वृद्धि होगी। इससे क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा को बल मिलेगा, दोनों देशों के बिजली ग्रिड की मजबूती और लचीलापन बढ़ेगा तथा आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी। बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने ऊर्जा क्षेत्र में चल रहे सहयोग की प्रगति की समीक्षा की और भविष्य की दिशा पर विचार-विमर्श किया।

पीएम मोदी 30 और 31 अक्टूबर को गुजरात का करेंगे दौरा

- दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय आर्यन शिखर सम्मेलन 2025 में लेंगे भाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी 30 और 31 अक्टूबर को गुजरात और दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। अपने दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत वे गुजरात के केवड़िया स्थित एकता नगर में अनेक विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे और राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद वे नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आर्यन शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करेंगे।

पीएम 30 अक्टूबर की शाम लगभग 5:15 बजे एकता नगर में ई-बसों को हरी झंडी दिखाकर ग्रीन मोबिलिटी को प्रोत्साहन देंगे। शाम 6:30 बजे वे 1,140 करोड़ रुपए से अधिक की अवसंरचनात्मक और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य पर्यटकों के अनुभव को सशक्त बनाना, क्षेत्र की सुगम्यता बढ़ाना और इको-टूरिज्म तथा सतत विकास को प्रोत्साहित करना है।

पीएम मोदी जिन परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उनमें राजपीपला में बिरसा मुंडा जनजातीय विश्वविद्यालय, गरुड़ेश्वर में हॉस्पिटैलिटी डिस्ट्रिक्ट (चरण-1), वामन वृक्ष वाटिका, सतपुड़ा सुरक्षा दीवार, ई-बस चार्जिंग डिपो और 25 इलेक्ट्रिक बसें, नर्मदा घाट विस्तार और स्मार्ट बस स्टॉप (चरण-2) जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

वहीं, पीएम भारत के शाही राज्यों के संग्रहालय, वीर बालक उद्यान, खेल परिसर और वर्षा वन परियोजना जैसी कई नई परियोजनाओं की नींव भी रखेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 150 रुपए का विशेष स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी करेंगे।

अगले दिन 31 अक्टूबर को पीएम मोदी सुबह 8 बजे प्रधानमंत्री स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार पटेल को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह का आयोजन होगा, जिसमें वे देशवासियों को एकता की शपथ दिलाएंगे और परेड का निरीक्षण करेंगे।

इस परेड में बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी सहित विभिन्न राज्य पुलिस बलों की टुकड़ियां शामिल होंगी। इसमें रामपुर हाउंड्स और मुधोल हाउंड्स जैसे भारतीय नस्ल के कुत्तों का मार्चिंग दस्ता, गुजरात पुलिस का घुड़सवार दस्ता और असम पुलिस का मोटरसाइकिल डेयरडेविल शो खास आकर्षण होगा।

इस अवसर पर सुरक्षा बलों के वीरता पदक विजेताओं को सम्मानित भी किया जाएगा। कार्यक्रम में 'विविधता में एकता' थीम पर आधारित दस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की झांकियां प्रदर्शित होंगी। करीब 900 कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भारतीय संस्कृति की विविधता और समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करेगा।

पीएम इसके बाद आरम्भ 7.0 के तहत 100वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के 660 अधिकारी प्रशिक्षुओं से बातचीत करेंगे। यह संस्करण "शासन की पुनर्कल्पना" विषय पर आधारित है।

गुजरात कार्यक्रमों के बाद 31 अक्टूबर की दोपहर लगभग 2:45 बजे रोहिणी, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आर्यन शिखर सम्मेलन 2025 में भाग लेंगे। यह आयोजन महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती और आर्य समाज की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित ज्ञान ज्योति महोत्सव का हिस्सा है।

इस सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रतिनिधि महर्षि दयानंद के सुधारवादी विचारों पर चर्चा करेंगे। "सेवा के 150 स्वर्णिम वर्ष" शीर्षक प्रदर्शनी में आर्य समाज के शिक्षा, सामाजिक सुधार और आध्यात्मिक उत्थान में योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रधानमंत्री इस अवसर पर जनसमूह को संबोधित करेंगे और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप वैदिक सिद्धांतों और स्वदेशी मूल्यों के प्रसार का आह्वान करेंगे।

सीवान में योगी का बुलडोजर स्वागत

-शाह-राहुल-तेजस्वी की रैलियों से गरमाई बिहार सियासत

नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनाव अभियान के बीच बुधवार को सीवान का राजनीतिक माहौल तब गरमा गया जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां चुनावी सभा को संबोधित किया। सभा स्थल पर योगी का स्वागत किसी पारंपरिक तरीके से नहीं, बल्कि 'बुलडोजर' से किया गया। उनके मंच पर पहुंचते ही समर्थक "जय श्रीराम" और "योगी योगी" के नारों से गूंज उठे। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय जनता दल (RJD) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा— "मुझे आश्चर्य हुआ जब मैं रघुनाथपुर आया। यहां RJD ने जो प्रत्याशी दिया है, वह देश-दुनिया में अपनी आपराधिक प्रवृत्ति के लिए जाना जाता है। नाम है ओसामा शहाब — शहाबुद्दीन का बेटा। जैसा नाम, वैसा काम।" उन्होंने आगे कहा कि यह कांग्रेस, RJD और समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियों की पहचान है कि ये माफियाओं और अपराधियों को संरक्षण देती हैं। योगी ने आगे कहा— "ये वही लोग हैं जो किसी बाबर या औरंगजेब की मजार पर जाकर सजदा करेंगे। RJD के लोग आज भी भगवान श्रीराम और अयोध्या के मंदिर का विरोध कर रहे हैं। सीतामढ़ी में मां जानकी के मंदिर के विकास कार्यों का भी विरोध किया जा रहा है।" उन्होंने जनता से अपील की कि बिहार को माफिया राज और जातिवादी राजनीति से मुक्त करना होगा और विकास के लिए एनडीए को मजबूत करना होगा। इसी दौरान, बिहार में एनडीए की ओर से गृह मंत्री अमित शाह ने दरभंगा में रैली कर विपक्ष पर निशाना साधा। शाह ने कहा— "लालू जी, बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी फिलहाल खाली नहीं है। बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का सपना देखते रहिए।" उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने मिथिला और मैथिली संस्कृति को पहचान दिलाई है। "हमने मैथिली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिया, संविधान का अनुवाद मैथिली में कराया और मिथिला में देवी सीता का भव्य मंदिर निर्माण कराया जा रहा है। राम सर्किट से जुड़े सभी स्थलों का विकास एनडीए की प्राथमिकता है।" दूसरी ओर, राहुल गांधी ने बुधवार को मुजफ्फरपुर में राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ संयुक्त रैली की। दोनों नेताओं ने रोजगार, महंगाई और सामाजिक न्याय के मुद्दों को उठाते हुए केंद्र सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि "मोदी सरकार केवल उद्योगपतियों की सरकार बन चुकी है। किसानों, युवाओं और गरीबों के मुद्दे अब उनके एजेंडे में नहीं हैं।" तेजस्वी यादव ने भी जनता से अपील की कि बिहार को "नई सोच और नए नौजवान नेतृत्व" की जरूरत है।

ट्रम्प को मलाल: अमेरिकी संविधान ने रोकी तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की राह

-बोले- यही सबसे बुरी बात

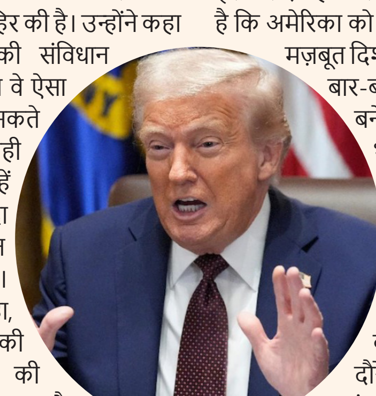

सियोल (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तीसरी बार राष्ट्रपति न बन पाने पर अपनी निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी संविधान की वजह से वे ऐसा नहीं कर सकते और यही बात उन्हें सबसे ज़्यादा परेशान करती है। ट्रम्प ने कहा, "यह अमेरिकी कानून की सबसे बुरी बात है कि कोई व्यक्ति तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकता, जबकि जनता चाहे तो भी नहीं।" दरअसल, अमेरिकी संविधान के 22वें संशोधन के तहत कोई भी व्यक्ति केवल दो कार्यकाल तक ही राष्ट्रपति बन सकता है। ट्रम्प, जिन्होंने पहले 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति का कार्यकाल पूरा किया और 2024 में दोबारा सत्ता में लौटे, अब तीसरी बार 2028 में चुनाव नहीं लड़ सकते। मंगलवार को जब ट्रम्प से पत्रकारों ने पूछा कि क्या वे 2028 के चुनाव में उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन कर सकते हैं, तो उन्होंने कहा, "कानून इसकी इजाज़त देता है, लेकिन मैं ऐसा नहीं करूंगा। लोग इसे पसंद नहीं करेंगे। मेरा मानना है कि अमेरिका को एक ही बार में मज़बूत दिशा देनी चाहिए, बार-बार सत्ता में बने रहना किसी भी लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है।" फिलहाल ट्रम्प दक्षिण कोरिया के दौरे पर हैं। यहां उन्होंने साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग से मुलाकात की। इस दौरान कोरियाई राष्ट्रपति ने ट्रम्प को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड ऑर्डर ऑफ मुगुंगह्वा' से सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्हें एक सोने का मुकुट भी भेंट किया गया, जो साउथ कोरिया में सम्मान और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। ट्रम्प ने इस सम्मान के लिए कोरियाई राष्ट्रपति और जनता का आभार जताया और कहा कि अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच साझेदारी भविष्य में और भी मज़बूत होगी।

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग ट्रायल नाकाम: ₹64 लाख प्रति प्रयास

-नमी की कमी बनी बड़ी रुकावट

नई दिल्ली । दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार ने एक नए प्रयोग के रूप में क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम वर्षा का सहारा लिया है। यह तकनीक आसमान में मौजूद बादलों में रसायन छिड़ककर बारिश करवाने का प्रयास करती है। राजधानी में इस परियोजना की जिम्मेदारी आईआईटी कानपुर और दिल्ली पर्यावरण विभाग को दी गई है। लेकिन अब तक हुए तीनों ट्रायल सफल नहीं हो सके हैं। दिल्ली सरकार इस पूरे प्रोजेक्ट पर लगभग 3.2 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। समझौते के अनुसार, एक ट्रायल की औसत लागत करीब ₹64 लाख बताई गई है। अब तक तीन ट्रायल किए जा चुके हैं—पहला 23 अक्टूबर को और बाकी दो 28 अक्टूबर को। हालांकि, तीनों ही बार कृत्रिम बारिश नहीं हो पाई। विशेषज्ञों के अनुसार, क्लाउड सीडिंग तभी सफल होती है जब हवा में नमी का स्तर कम से कम 50% हो। लेकिन दिल्ली में ट्रायल के दौरान नमी केवल 10 से 15 प्रतिशत के बीच रही। ऐसे में बादल बने तो सही, पर उनमें बारिश करवाने लायक संघनन नहीं हुआ। यही वजह रही कि तीनों बार आसमान में रसायन छिड़कने के बावजूद बारिश नहीं हो सकी। मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ से एक स्पेशल विमान 'सेसना' ने उड़ान भरी थी। यह विमान दिल्ली के खेकड़ा, बुराड़ी और मयूर विहार इलाकों के ऊपर करीब 6 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंचा और दोपहर लगभग 2 बजे बादलों में केमिकल स्प्रे किया गया। वैज्ञानिकों का अनुमान था कि ट्रायल के चार घंटे के भीतर बारिश हो सकती है, लेकिन रात तक कोई प्रभाव नहीं दिखा। बुधवार को प्रस्तावित चौथा ट्रायल रद्द कर दिया गया है, क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार, उस दिन भी नमी बेहद कम रहने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि हवा शुष्क है तो रसायन बादलों में मिलकर भी जलकण नहीं बना पाते। आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों ने बताया कि इस प्रक्रिया के लिए सोडियम क्लोराइड, सिल्वर आयोडाइड जैसे रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है, जो बादलों में संघनन प्रक्रिया को तेज करने में मदद करते हैं। लेकिन जब वातावरण में पर्याप्त वाष्प न हो, तो ये रसायन भी असर नहीं दिखा पाते। दिल्ली में फिलहाल प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। AQI (एयर क्वालिटी इंडेक्स) कई इलाकों में 400 के पार जा चुका है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है।

ब्राजील में ड्रग माफिया पर हेलिकॉप्टर रेड

-ड्रोन बम हमले में 64 की मौत

रियो डी जेनिरो (एजेंसी)। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में मंगलवार को पुलिस ने ड्रग माफिया संगठन 'रेड कमांड' (Red Command) के खिलाफ इतिहास का सबसे बड़ा ऑपरेशन चलाया। राजधानी के अपराध प्रभावित इलाकों में करीब 2,500 पुलिसकर्मियों ने हेलिकॉप्टर के ज़रिए एक साथ छापा मारा। यह ऑपरेशन पिछले एक साल से गुप्त रूप से तैयार किया जा रहा था। जैसे ही पुलिस की टीमें झुग्गी बस्तियों और संकरे रास्तों की ओर बढ़ीं, रेड कमांड के सशस्त्र सदस्यों ने गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। माफिया ने पुलिस की अग्रिम कार्रवाई को रोकने के लिए सड़कों पर जलते हुए बैरिकेड्स लगाए और ड्रोन से बम गिराने तक की कोशिश की। जवाब में पुलिस ने भी भारी हथियारों से जवाबी फायरिंग की। करीब चार घंटे चली इस मुठभेड़ में कम से कम 64 लोगों की मौत हुई, जिनमें 4 पुलिस अफसर भी शामिल हैं। कई अन्य पुलिसकर्मी और नागरिक घायल हुए हैं। पुलिस ने बड़ी मात्रा में हथियार, ड्रग्स और संचार उपकरण जब्त किए हैं। ब्राजील में ड्रग माफिया नेटवर्क लंबे समय से सरकार और सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बना हुआ है। 'रेड कमांड' संगठन देश के सबसे ताकतवर आपराधिक गिरोहों में से एक माना जाता है, जिसका नियंत्रण रियो के कई हिस्सों में फैला है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस ऑपरेशन का उद्देश्य गैंग की सप्लाई चेन और उसके नेताओं को खत्म करना था। हालांकि, माफिया द्वारा ड्रोन और बमों का इस्तेमाल यह दर्शाता है कि अपराधी अब और अधिक तकनीकी रूप से सशक्त और संगठित हो चुके हैं।

गाजा पर इजराइली हमला: सीजफायर के बावजूद 30 की मौत

-हमास ने आरोपों से किया इनकार

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा पट्टी एक बार फिर जंग की आग में झुलस उठी है। इजराइल ने मंगलवार को गाजा पर हवाई हमले किए, जिनमें 30 से ज़्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है जब करीब 20 दिन पहले दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम (सीजफायर) समझौता हुआ था। इजराइल ने दावा किया है कि हमास ने पहले युद्धविराम का उल्लंघन किया और गाजा में तैनात इजरायली सैनिकों पर हमला किया। इसी के जवाब में यह 'रक्षा कार्रवाई' की गई। इजराइल के सेना प्रवक्ता के मुताबिक, हमास की चौकियों और हथियार ठिकानों को निशाना बनाया गया। हालांकि, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हवाई हमलों में आम नागरिकों के घर तबाह हो गए और अस्पतालों में घायलों की भीड़ लग गई है। हमास ने इजराइल के आरोपों को सिरे से नकारते हुए कहा कि उसने सीजफायर का पूरी तरह पालन किया है और यह हमला इजराइल की "उकसाने वाली कार्रवाई" है। संगठन ने कहा कि ऐसे हमले शांति बहाली के सभी प्रयासों को कमजोर करते हैं। हवाई हमले गाजा सिटी, खान यूनिस, बेत लहिया और अल-बुरैज जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में किए गए। गाजा सिटी के साबरा मोहल्ले में एक मकान पर बमबारी में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हुई। कई बच्चे अब भी मलबे के नीचे दबे होने की आशंका है। लगातार जारी बमबारी से गाजा में पहले से मौजूद मानवीय संकट और गहरा गया है।

RJD-JDU में पोस्टर वॉर: बिहार की सियासत में 'जननायक बनाम जनसेवक' की जंग तेज

पटना । बिहार की राजनीति एक बार फिर पोस्टरों के ज़रिए गर्मा गई है। पटना की दीवारों पर लगे नए पोस्टरों ने यह साफ कर दिया है कि अब चुनावी जंग सिर्फ मंचों या रैलियों तक सीमित नहीं, बल्कि सियासी प्रचार के हर रूप में उतर चुकी है। इस बार आरजेडी (RJD) और जेडीयू (JDU) के बीच पोस्टर वॉर छिड़ गया है। एक तरफ जेडीयू ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'जनसेवक' के रूप में पेश किया है, तो दूसरी तरफ आरजेडी ने तेजस्वी यादव को 'जननायक' बताया है। जेडीयू के पोस्टरों में नीतीश कुमार को विकास, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और कानून व्यवस्था के प्रतीक के रूप में दिखाया गया है। वहीं आरजेडी के पोस्टरों में तेजस्वी को युवाओं की उम्मीद और बिहार के भविष्य के रूप में प्रस्तुत किया गया है। तेजस्वी के पोस्टर पर लिखा गया है – "जननायक तेजस्वी यादव, बिहार की नई पहचान"।

एनडीए की आपत्ति – 'जननायक' की उपाधि पर विवाद-

तेजस्वी को 'जननायक' बताने पर एनडीए खेमे ने आपत्ति जताई है। भाजपा और जेडीयू नेताओं ने कहा है कि 'जननायक' की उपाधि जनता ने कर्पूरी ठाकुर जैसे महान नेता को दी थी, उसे कोई पार्टी या नेता अपने प्रचार के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पहले कहा था कि कुछ लोग कर्पूरी ठाकुर को मिली उपाधि को "राजनीतिक लाभ" के लिए चुराने की कोशिश कर रहे हैं।

तेजस्वी को जननायक बनने में वक्त लगेगा – अब्दुल बारी सिद्दीकी-

आरजेडी के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने भी इस मुद्दे पर एक संतुलित बयान दिया है। उन्होंने कहा, "तेजस्वी को जननायक बनने में अभी वक्त लगेगा। वह लालू प्रसाद यादव की राजनीतिक विरासत हैं और उसी राह पर चलने की कोशिश कर रहे हैं।" सिद्दीकी का यह बयान आरजेडी खेमे में भी आत्ममंथन की झलक देता है।

बड़े नेताओं की रैलियां – बिहार में चुनावी गरमी-

इधर, बिहार की सियासत में बड़ा दिन है क्योंकि आज देश के कई दिग्गज नेता राज्य में चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में दरभंगा, समस्तीपुर और बेगूसराय में रैलियां करेंगे। राहुल गांधी मुजफ्फरपुर और दरभंगा में दो जनसभाओं में तेजस्वी यादव के साथ मंच साझा करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी दरभंगा, बेगूसराय, समस्तीपुर, सारण, सीवान, पटना, भोजपुर और बक्सर में एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे। इन रैलियों से साफ है कि बिहार अब राष्ट्रीय नेताओं के चुनावी संग्राम का केंद्र बन गया है। हर पार्टी अपने-अपने स्टार प्रचारकों के ज़रिए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश में जुटी है।

बागी नेता को 100 लीटर दूध से नहलाया गया-

सियासी पोस्टर वॉर के बीच एक अलग ही दृश्य बिहार के चिरैया विधानसभा क्षेत्र से सामने आया। यहां RJD के बागी नेता और निर्दलीय प्रत्याशी अच्छेलाल प्रसाद यादव को उनके समर्थकों ने 100 लीटर दूध से नहला दिया। यही नहीं, उन्हें लड्ओं से तौला भी गया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

"नशे के जाल में उलझता समाज: तंत्र पर समग्र और संवेदनशील वार की जरूरत"

चंडीगढ़ में हाल ही में हुई घटना, जिसमें एक पूर्व डीजीपी पर अपने ही नशे की लत के शिकार बेटे की हत्या का आरोप लगा, पूरे समाज को झकझोर देने वाली है। यह केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि उस गहरी सामाजिक बीमारी की निशानी है जो देश के हर हिस्से में फैल चुकी है। नशा अब सिर्फ एक व्यक्ति की आदत नहीं रहा, बल्कि एक सुनियोजित तंत्र बन चुका है, जो बच्चों और युवाओं को धीरे-धीरे अपनी गिरफ्त में ले रहा है। नशे के सौदागर यह जानते हैं कि यदि किसी को एक बार इसकी लत लग जाए तो वह जिंदगीभर उनका ग्राहक बना रहेगा। इसलिए वे स्कूल-कॉलेजों के बाहर, खेल के मैदानों में या कभी-कभी ऑनलाइन माध्यमों से भी बच्चों को शिकार बनाते हैं। एक बच्चे को फँसाने के बाद वे उसे दूसरों तक नशा पहुँचाने का माध्यम बना देते हैं। इस तरह यह लत समाज में श्रृंखला की तरह फैलती चली जाती है। भारत में नशे के प्रसार की असली समस्या यह है कि यहाँ इसके सही आँकड़े मौजूद नहीं हैं। अमेरिका जैसे देशों में यह डेटा लगातार अपडेट किया जाता है कि कितने किशोर और युवा किस तरह के नशे के शिकार हैं। लेकिन भारत में इस तरह की सतत प्रक्रिया नहीं है। कभी कोई राज्य सरकार या संगठन अपने स्तर पर सर्वे करवा लेता है, पर उससे वास्तविक स्थिति का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। एम्स की एक रिपोर्ट इस समस्या की भयावहता का अंदाज़ा देती है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में लगभग 16 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में नशे के संपर्क में हैं। इनमें से अधिकांश 18 से 35 वर्ष की आयु वर्ग के हैं। यह आंकड़ा इस बात की गवाही देता है कि आने वाली पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा धीरे-धीरे बर्बादी की ओर जा रहा है। नशे की वजह से लाखों परिवार टूट रहे हैं, अपराध बढ़ रहे हैं और समाज में असुरक्षा का माहौल गहराता जा रहा है। नशे का कारोबार सीमाओं से लेकर गलियों तक फैला हुआ है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गोवा और पूर्वोत्तर राज्यों में यह संकट गहरी जड़ें जमा चुका है। सीमावर्ती इलाकों से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के जरिए बड़ी मात्रा में नशा भारत में प्रवेश करता है। इस तस्करी में स्थानीय गिरोहों से लेकर अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क तक शामिल हैं। कई बार पुलिस और प्रशासन की कोशिशें भी इस नेटवर्क के सामने कमजोर पड़ जाती हैं। अब जरूरत है कि इस समस्या को केवल अपराध की दृष्टि से नहीं, बल्कि सामाजिक संकट के रूप में देखा जाए। नशा सिर्फ शरीर को नहीं, बल्कि आत्मा, परिवार और समाज को भी बीमार कर देता है। इसका मुकाबला कानून, प्रशासन और समाज तीनों को मिलकर करना होगा। सबसे पहले परिवारों को सजग होना पड़ेगा। माता-पिता को बच्चों के व्यवहार और मित्र-मंडली पर ध्यान देना होगा। डराने या दंड देने से नहीं, बल्कि समझाने और सहानुभूति से बच्चे को इस रास्ते से रोका जा सकता है।

स्वास्थ्य के साथ प्रकृति भी हो रही बीमार: गोली-कैप्सूल के गलत निस्तारण से उपजा पर्यावरणीय खतरा

-एंटीबायोटिक रेज़िस्टेंस: आने वाली सदी का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट

हम मनुष्य अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए दवाओं का सहारा लेते हैं — गोली, कैप्सूल, सिरप, इंजेक्शन, मलहम, एंटीबायोटिक, दर्दनिवारक, हार्मोनल और कई तरह की दवाएं। इनका उद्देश्य बीमारी को दूर करना और जीवन को सुरक्षित बनाना है। लेकिन क्या कभी हमने सोचा है कि जब इन दवाओं का उपयोग खत्म हो जाता है, तब उनका क्या होता है? क्या वे बस हमारे शरीर से निकलकर या कचरे के साथ फेंक दिए जाने पर खत्म हो जाती हैं?

सच्चाई यह है कि दवाएं हमारे शरीर में जाने के बाद भी पूरी तरह नष्ट नहीं होतीं। उनका एक बड़ा हिस्सा मल-मूत्र के ज़रिए, या फिर बेकार दवाओं के रूप में कूड़ेदान में फेंके जाने से वातावरण में पहुंच जाता है — और यहीं से शुरू होती है एक "नए पर्यावरणीय संकट" की कहानी। आज जब हम वायु, जल और मिट्टी प्रदूषण पर चिंतित हैं, तब यह जानना जरूरी है कि दवाओं का गलत निस्तारण (Improper Disposal of Medicines) हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए उतना ही खतरनाक है, जितना औद्योगिक कचरा या प्लास्टिक प्रदूषण।

दवाओं का बढ़ता बाज़ार और अनियंत्रित उपयोग

पिछले दो दशकों में भारत सहित पूरी दुनिया में दवाओं का उत्पादन और उपभोग कई गुना बढ़ गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, दुनियाभर में हर साल अरबों डॉलर की दवाएं तैयार की जाती हैं, जिनमें से लगभग 50% या तो अनावश्यक रूप से ली जाती हैं या गलत तरीके से निस्तारित होती हैं।

भारत इस समय विश्व का तीसरा सबसे बड़ा फार्मा उत्पादक देश है। घरेलू बाजार में एंटीबायोटिक्स, दर्दनिवारक और विटामिन की

गोलियां सबसे अधिक बिकती हैं। महामारी, लाइफस्टाइल बीमारियों और स्व-चिकित्सा (Self-medication) की प्रवृत्ति ने दवाओं की खपत को और बढ़ा दिया है। लेकिन जितनी तेजी से दवाएं बन और बिक रही हैं, उतनी ही लापरवाही उनके इस्तेमाल और निस्तारण में दिखाई दे रही है। एक अध्ययन के अनुसार — करीब 36% लोग खरीदी गई 10% दवाएं बिना इस्तेमाल फेंक देते हैं। 6% लोग अपनी खरीदी गई दवाओं का लगभग 70% हिस्सा फेंक देते हैं। घरों में रखी लगभग 50% दवाएं एक्सपायरी डेट पार करने के बाद भी पड़ी रहती हैं। यानी, न केवल जेब पर बोझ बढ़ता है बल्कि इन दवाओं का पर्यावरण पर खतरनाक असर भी शुरू हो जाता है।

जब दवा पर्यावरण में पहुंचती है — एक अदृश्य ज़हर

आपने अक्सर देखा होगा — पुराने सिरप की बोतलें, एक्सपायरी टैबलेट्स, एंटीबायोटिक के स्ट्रिप्स या इंजेक्शन की शीशियाँ कूड़ेदान में पड़ी रहती हैं। कई बार इन्हें नालियों, तालाबों या खाली ज़मीन में फेंक दिया जाता है। बारिश के पानी के साथ ये रासायनिक तत्त्व मिट्टी और भूजल में मिल जाते हैं। दवा के रूप में शरीर में ली गई एंटीबायोटिक्स और अन्य रासायनिक तत्त्व 30 से 90 प्रतिशत तक शरीर से बाहर निकलकर वातावरण में पहुंच जाते हैं। जब ये तत्त्व जल में घुलते हैं, तो जल स्रोतों में रहने वाले जीवाणुओं, मछलियों और अन्य जीवों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है।

उदाहरण के तौर पर — भारत में कई जगहों पर नदियों में एंटीबायोटिक अवशेष (Antibiotic Residues) पाए गए हैं, जो मानव शरीर में ड्रग-रेसिस्टेंट बैक्टीरिया (Antimicrobial Resistance - AMR) को बढ़ा रहे हैं। हैदराबाद की एक झील में फार्मास्यूटिकल कारखानों के अपशिष्ट से इतनी मात्रा में एंटीबायोटिक तत्व मिले कि वहां के जल में रहने वाले जीव पूरी तरह नष्ट हो गए। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में भूमिगत जल में दर्दनिवारक, हार्मोनल और मानसिक रोगों की दवाओं के अवशेष पाए गए हैं। इस तरह की दवाएं मिट्टी की सूक्ष्म जैविक संरचना को भी प्रभावित करती हैं। खेती की ज़मीनों में पहुंचने पर ये फसलों की उत्पादकता, मिट्टी के सूक्ष्मजीवों की सक्रियता और जल धारण क्षमता को कम कर देती हैं।

एंटीबायोटिक रेज़िस्टेंस: आने वाली सदी का सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि एंटीबायोटिक्स के प्रति प्रतिरोध (Antibiotic Resistance) इसी गति से बढ़ता रहा, तो वर्ष 2050 तक हर साल 1 करोड़ लोग केवल इसी कारण मरेंगे। यह संकट केवल दवाओं के अधिक सेवन से नहीं, बल्कि गलत निस्तारण से भी जुड़ा है। जब एंटीबायोटिक तत्व जल या मिट्टी में पहुंचते हैं, तो सूक्ष्मजीवों में ऐसे जीन विकसित होते हैं जो दवा के असर को निष्क्रिय कर देते हैं। नतीजा — नई बीमारियां, पुरानी बीमारियों पर असर न करने वाली दवाएं, और लगातार महंगी होती स्वास्थ्य व्यवस्था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस खतरे को "साइलेंट पैंडेमिक" कहा है। यह धीमी लेकिन घातक महामारी है जो बिना शोर किए मानव जाति के अस्तित्व को चुनौती दे रही है।

पर्यावरणीय असर — हवा, पानी और मिट्टी तीनों पर चोट

जल प्रदूषण: नालियों और सीवरेज के जरिए जब दवाएं जल स्रोतों तक पहुंचती हैं, तो नदियों, झीलों और भूजल का प्रदूषण बढ़ जाता है। इससे न केवल जीव-जंतु मरते हैं, बल्कि इंसान के पीने का पानी भी असुरक्षित हो जाता है।

कई अध्ययनों में पाया गया है कि भारत के विभिन्न हिस्सों में फार्मास्यूटिकल अपशिष्ट जल में सामान्य औद्योगिक कचरे से भी अधिक खतरनाक पाया गया।

मिट्टी प्रदूषण: दवा के रासायनिक तत्व खेतों में पहुंचने पर मिट्टी की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। एंटीबायोटिक्स मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीवों को मार देती हैं, जिससे जैविक खाद का प्राकृतिक चक्र टूटता है।

हार्मोनल दवाएं फसलों में हॉर्मोन संतुलन को बिगाड़ती हैं, जिससे उपज घटती है और दीर्घकालिक नुकसान होता है।

वायु प्रदूषण: कई बार अस्पतालों और दवा कंपनियों में एक्सपायरी दवाओं को जलाकर नष्ट किया जाता है। इससे डायॉक्सिन, फ्यूरान जैसे खतरनाक गैसें निकलती हैं, जो फेफड़ों और तंत्रिका तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाती हैं।

अस्पताल और फार्मा उद्योग की भूमिका

अस्पतालों में रोज़ाना बड़ी मात्रा में दवाएं, सिरिंज, सूई, इंजेक्शन, सलाइन और मेडिकल वेस्ट निकलता है। इनमें से एक बड़ी मात्रा न तो ठीक से सेग्रेगेट होती है और न ही सही ढंग से नष्ट की जाती है।

भारत में हर दिन 600 टन से अधिक बायोमेडिकल वेस्ट निकलता है, जिसमें से लगभग 10–15% हिस्सा दवाओं से जुड़ा होता है। फार्मा उद्योग भी इसमें प्रमुख भूमिका निभाते हैं। कई दवा कंपनियां अपने अपशिष्ट जल को बिना शोधन के बाहर छोड़ देती हैं। हैदराबाद, भिवंडी, अंबाला और सोलन जैसे फार्मा हब इलाकों में जल प्रदूषण का स्तर चिंताजनक है।

आम उपभोक्ता की जिम्मेदारी — "घरों से निकलता है जहर"

हम सब अपने घरों में छोटी-छोटी बीमारियों के लिए दवाएं रखते हैं — दर्दनिवारक, सर्दी-जुकाम की गोलियां, बुखार की दवा, एंटीबायोटिक, या फिर मलहम। लेकिन जब ये एक्सपायर हो जाती हैं, तो हम उन्हें क्या करते हैं? अधिकतर लोग इन्हें या तो कूड़ेदान में फेंक देते हैं, या नाली में बहा देते हैं। यह वही सबसे बड़ा खतरा है लापरवाही से पैदा करते हैं।

बसों में ओवरलोडिंग : एक बढ़ता हुआ खतरा सख्त नियम और प्रभावी चेकिंग अभियान से ही लग पाएगा अंकुश

-अवैध कमाई का गंदा खेल और जिम्मेदारी से भागता सिस्टम

देश में सड़क सुरक्षा से जुड़ी चर्चाएँ तब फिर से तेज़ हो जाती हैं जब कोई दर्दनाक बस हादसा अख़बारों की सुर्खियाँ बन जाता है। कुछ ही महीने पहले जैसलमेर में हुई भीषण बस दुर्घटना में 26 जिंदगियाँ जलकर राख हो गईं। वहीं, आगरा एक्सप्रेस-वे पर एक और बस आग की लपटों में धधक उठी। दोनों ही घटनाओं में यात्रियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। ये हादसे सिर्फ़ "दुर्घटनाएँ" नहीं थे, बल्कि यह हमारे परिवहन सिस्टम की एक गहरी बीमारी — बसों में ओवरलोडिंग — की पोल खोलते हैं।

ओवरलोडिंग : सिर्फ़ यात्री नहीं, मौत का बोझ भी

ओवरलोडिंग का मतलब सिर्फ़ ज़्यादा यात्रियों को बैठाना नहीं होता। आजकल बसों को मालवाहक वाहनों की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। छतों पर मोटरसाइकिलें, गैस सिलेंडर, फर्नीचर, और भारी ट्रंक लादे जा रहे हैं। बसें, जो यात्रियों के आराम और सुरक्षा के लिए डिज़ाइन की गई थीं, अब चलती बम बन चुकी हैं। जब बस मोड़ लेती है या अचानक ब्रेक लगाती है, तो वजन का असंतुलन उसकी दिशा और गति को नियंत्रित करना मुश्किल बना देता है। नतीजा—भीषण हादसा। भीतर का हाल भी कुछ बेहतर नहीं है। गलियारों में रखे ट्रंक, बोरियाँ और भारी सामान किसी भी आपातकाल में यात्रियों के निकलने का रास्ता बंद कर देते हैं। आग लगने या पलटने जैसी स्थिति में न कोई खिड़की खुल पाती है, न कोई दरवाज़ा। मौत, मानो पहले से बस में बैठी होती है।

अवैध कमाई का गंदा खेल

इस ओवरलोडिंग के पीछे लालच का बड़ा हाथ है। बस ऑपरेटर कुछ अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए सुरक्षा नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हैं। माल ढोने का काम तो ट्रक या लॉरी का होता है, लेकिन बस ऑपरेटरों ने इसे अपनी कमाई का नया ज़रिया बना लिया है। यात्रियों से किराया लेने के साथ-साथ छत पर माल रखवाने के भी पैसे लिए जाते हैं। यह पूरा खेल स्थानीय प्रशासन और परिवहन विभाग की नाक के नीचे चल रहा है। कई

बार तो अधिकारी जानते हुए भी आँख मूंद लेते हैं क्योंकि या तो उन्हें रिश्वत मिल जाती है या फिर कार्रवाई से बचने के लिए बहाने बना दिए जाते हैं।

जिम्मेदारी से भागता सिस्टम

भारत में परिवहन नियमों का उल्लंघन करना आम बात हो गई है। बसों की फिटनेस जांच, परमिट की शर्तें, यात्रियों की सीमा — इन सबका पालन कागज़ों पर ही दिखता है। सड़क पर उतरने के बाद ये नियम हवा में उड़ जाते हैं। परिवहन विभाग के निरीक्षकों को नियमित रूप से बसों की जांच करनी चाहिए, लेकिन यह कार्यवाही सिर्फ़ औपचारिक रह गई है। टोल नाकों पर भी बसों की ओवरलोडिंग पर शायद ही कभी रोक लगती है। स्थानीय पुलिस की उदासीनता और जांच में कमी ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। नतीजा यह है कि रोज़ाना हज़ारों बसें अपने तय सीमा से कई गुना ज़्यादा भार लेकर सड़कों पर दौड़ रही हैं।

आँकड़े बोलते हैं सच्चाई

केंद्रीय गृह मंत्रालय और सड़क परिवहन मंत्रालय के आँकड़े बताते हैं कि भारत में हर साल हज़ारों लोग बस दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। इन मौतों में बड़ी संख्या उन हादसों की है जो ओवरलोडिंग या वाहन में आग लगने के कारण हुए। विशेषज्ञों का मानना है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में हर चौथा हादसा किसी न किसी रूप में ओवरलोडिंग से जुड़ा होता है। सड़क सुरक्षा संगठन "सेव रोड इंडिया" के सर्वे के अनुसार, ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में चलने वाली बसों में औसतन 40 प्रतिशत तक ज़्यादा यात्री यात्रा करते हैं। वहीं, लम्बी दूरी की बसों में मालवाहक सामान की मात्रा सामान्य सीमा से दोगुनी पाई गई है।

ओवरलोडिंग के तकनीकी और भौतिक खतरे

ओवरलोडिंग के प्रभाव सिर्फ़ यात्रियों की संख्या तक सीमित नहीं रहते। जब बस पर ज़्यादा वजन लाद दिया जाता है, तो उसके इंजन, ब्रेक सिस्टम और सस्पेंशन पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे वाहन की ब्रेकिंग दूरी बढ़ जाती है — यानी ड्राइवर को ब्रेक लगाने के बाद वाहन रोकने में ज़्यादा समय लगता है। नतीजा, टक्कर या पलटना। इसी तरह, बस के टायरों पर भी ज़्यादा भार पड़ता है। ओवरलोड बसों में टायर ब्लास्ट होने की घटनाएँ आम हैं। कई मामलों में आग लगने की शुरुआत टायरों के अत्यधिक घर्षण से होती है, जो फिर पूरे वाहन को लपटों में बदल देती है।

यात्रियों की सुरक्षा पर दोहरी चोट

ओवरलोड बसों में सफर करना यात्रियों के लिए दोहरी मुसीबत बन गया है। एक तो बस के भीतर बैठने या सांस लेने तक की जगह नहीं बचती, ऊपर से दुर्घटना का खतरा हर पल सिर पर मंडराता रहता है। गलियारों में खड़े यात्रियों को किसी दुर्घटना में सबसे पहले चोट लगती है, क्योंकि उनके पास पकड़ने या बचाव का कोई साधन नहीं होता। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए स्थिति और भी खतरनाक होती है। वे न तो भीड़ में आगे बढ़ पाते हैं और न ही आपात स्थिति में निकल पाते हैं। अक्सर ऐसी बसों में अग्निशमन यंत्र, आपात दरवाज़े या चेतावनी अलार्म जैसे सुरक्षा उपकरण अनुपस्थित रहते हैं।

बस संचालकों की मानसिकता में बदलाव की जरूरत

ओवरलोडिंग का मुद्दा सिर्फ़ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानसिकता का सवाल भी है। जब तक बस मालिक और चालक इसे गंभीर अपराध नहीं मानेंगे, तब तक कोई भी कानून इसे पूरी तरह खत्म नहीं कर पाएगा। ज़रूरत है उन्हें यह समझाने की कि हर अतिरिक्त यात्री या हर किलो अतिरिक्त सामान सिर्फ़ मुनाफा नहीं, बल्कि मौत का बोझ है।

प्रशासनिक सख़्ती और जवाबदेही

सरकार और प्रशासन को इस समस्या से निपटने के लिए तीन स्तरों पर कार्रवाई करनी चाहिए— नीतिगत सुधार: बसों के लिए ओवरलोडिंग की सीमा का स्पष्ट निर्धारण किया जाए और उसका पालन सख्ती से कराया जाए। मैदान स्तर पर चेकिंग: परिवहन और पुलिस विभाग के संयुक्त दल बनाकर हाइवे और बस अड्डों पर लगातार निगरानी रखी जाए। दंड और जवाबदेही: जिन बस ऑपरेटरों पर ओवरलोडिंग का दोष सिद्ध हो, उनके लाइसेंस रद्द किए जाएं और भारी जुर्माना लगाया जाए। साथ ही, चेकिंग अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। यदि किसी क्षेत्र में बार-बार ओवरलोड बसें पकड़ी जाती हैं, तो उस क्षेत्र के परिवहन निरीक्षक पर कार्रवाई होनी चाहिए।

ज्ञान बनाम नवाचार: प्रतिभा को पहचानने और पोषित करने की उचित संस्थागत क्षमता विकसित करने की आवश्यकता

-भारतीय विश्वविद्यालयों की संरचनात्मक चुनौतियाँ

भारत को सदियों से "ज्ञान की भूमि" कहा गया है। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने पूरी दुनिया को यह दिखाया था कि शिक्षा केवल अक्षरज्ञान नहीं, बल्कि जीवन के हर पहलू का बौद्धिक विस्तार है। आज भी भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है — चाहे वह विज्ञान, गणित, चिकित्सा, प्रौद्योगिकी, या सामाजिक विज्ञान का क्षेत्र हो। लेकिन विडंबना यह है कि इस विशाल जनसंख्या और प्राचीन ज्ञान परंपरा वाले देश से विश्व स्तरीय नवाचार कम निकल रहे हैं। एल्सेवियर पब्लिशर की ओर से वर्ष 2024 में जारी शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में भारत के 5300 वैज्ञानिकों ने जगह बनाई, लेकिन उसी वर्ष घोषित नोबेल पुरस्कारों में भारत का कोई नाम नहीं था। यह विरोधाभास बताता है कि व्यक्तिगत प्रतिभाएँ तो हैं, पर उन्हें संस्थागत स्तर पर पोषित करने और अंतरराष्ट्रीय मानक के शोध में बदलने की क्षमता अब भी कमजोर है।

नोबेल से दूरी – शोध संस्कृति पर बड़ा सवाल

अब तक भारत से जुड़े लगभग दस व्यक्तित्वों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है — जिनमें रबीन्द्रनाथ टैगोर, सी.वी. रमण, अमर्त्य सेन, मदर टेरेसा, कैलाश सत्यार्थी जैसे नाम शामिल हैं। मगर गौर करने वाली बात यह है कि इनमें से अधिकांश ने अपना महत्त्वपूर्ण शोध या कार्यभार विदेशों में रहकर किया। यह सवाल बार-बार उठता है कि भारत में रहते हुए, भारतीय प्रयोगशालाओं या विश्वविद्यालयों में काम करने वाले वैज्ञानिकों के लिए विश्व-स्तरीय शोध क्यों कठिन है? इसका उत्तर कई स्तरों पर मिलता है — अवसंरचना की कमी, वित्तीय अस्थिरता, नीतिगत बाधाएँ, और शोध के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में कमी। शोध केवल प्रयोगशालाओं की बात नहीं होती; यह एक मानसिकता है जो निरंतर प्रश्न पूछने, विफलताओं से सीखने और नए समाधान खोजने की प्रेरणा देती है। दुर्भाग्य से, हमारे विश्वविद्यालयों में यह संस्कृति अब भी कमजोर है।

भारतीय विश्वविद्यालयों की संरचनात्मक चुनौतियाँ

भारत में शिक्षा संस्थानों की संख्या बहुत है, पर गुणवत्ता में भारी असमानता है। कुछ केंद्रीय विश्वविद्यालय, आईआईटी, आईआईएससी, और आईआईएसईआर जैसे संस्थान विश्वस्तरीय शोध कर रहे हैं, लेकिन अधिकांश राज्य विश्वविद्यालय और महाविद्यालय संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। कई जगह प्रयोगशालाएँ पुरानी हैं, उपकरण जर्जर हैं, और शोध परियोजनाओं के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता सीमित है। प्रोफेसरों के पास शिक्षण कार्य इतना अधिक है कि उन्हें स्वतंत्र अनुसंधान के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। इसके अलावा, विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकारी तंत्र में नौकरशाही इतनी अधिक है कि शोध प्रस्तावों की मंज़ूरी से लेकर फंड रिलीज़ तक महीनों लग जाते हैं। ऐसे वातावरण में युवा शोधार्थी अक्सर हतोत्साहित हो जाते हैं।

अनुसंधान के लिए वित्तीय और संस्थागत अवसंरचना का अभाव

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में स्थायी और गहराई वाले प्रयोगों के लिए दीर्घकालिक निवेश आवश्यक होता है। पर भारत में अनुसंधान का बजट अभी भी सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का मात्र 0.7 प्रतिशत है, जबकि अमेरिका, जर्मनी, जापान जैसे देशों में यह 2 से 3 प्रतिशत के बीच है। इसका सीधा असर प्रयोगशालाओं, परियोजनाओं और वैज्ञानिकों की कार्य परिस्थितियों पर पड़ता है। जब फंडिंग साल-दर-साल सरकारी अनुदानों पर निर्भर रहती है, तब किसी बड़े और दीर्घकालिक प्रयोग की योजना बनाना कठिन हो जाता है। साथ ही, भारत में निजी क्षेत्र की भागीदारी भी सीमित है। बड़े उद्योग प्रायः CSR के तहत शिक्षा को सहयोग तो देते हैं, पर मौलिक शोध के लिए निवेश कम करते हैं। जबकि विकसित देशों में इंडस्ट्री-अकादमी सहयोग ही नवाचार का सबसे बड़ा आधार है।

शिक्षा प्रणाली – जिज्ञासा की जगह परीक्षा

भारतीय शिक्षा प्रणाली में अब भी ज्ञान को "सूचना" की तरह पढ़ाया जाता है, अनुभव की तरह नहीं। अधिकांश विश्वविद्यालयों में पढ़ाई परीक्षा केंद्रित है — विद्यार्थी को अंक लाने की प्रेरणा तो मिलती है, पर प्रश्न पूछने, प्रयोग करने और गलती करने की छूट नहीं मिलती। शिक्षा का यह ढांचा 'याद करो और दोहराओ' की मानसिकता पैदा करता है, जो रचनात्मक सोच को दबा देता है। नवाचार का जन्म तभी होता है जब व्यक्ति को 'क्यों', 'कैसे' और 'क्या नया' जैसे सवाल पूछने की स्वतंत्रता मिले। स्कूल से लेकर विश्वविद्यालय तक अगर छात्रों को विज्ञान प्रयोगशालाओं, नवाचार क्लबों, और स्टार्टअप परियोजनाओं से जोड़ा जाए, तभी उनमें जिज्ञासा और जोखिम लेने की प्रवृत्ति विकसित होगी।

प्रतिभा पलायन – ब्रेन ड्रेन की निरंतरता

भारत की सबसे बड़ी बौद्धिक पूँजी आज विदेशों में काम कर रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और सिंगापुर जैसे देशों में भारतीय वैज्ञानिकों, तकनीशियनों और प्रोफेसरों की बड़ी संख्या है। कारण स्पष्ट हैं — वहाँ शोध के लिए बेहतर अवसंरचना, सम्मानजनक वेतन, स्वतंत्रता और संस्थागत समर्थन मिलता है। जबकि भारत में शोधार्थियों को अक्सर प्रशासनिक बोझ, फंडिंग की देरी और अस्पष्ट करियर संभावनाओं से जूझना पड़ता है। जब प्रतिभाशाली युवा विदेशों में बस जाते हैं, तो देश की नवाचार क्षमता सीमित हो जाती है। हमें इस पलायन को "समस्या" के रूप में नहीं, बल्कि "संकेत" के रूप में देखना चाहिए — यह बताता है कि हमारी संस्थाएँ प्रतिभा को रोकने और संवारने में सक्षम नहीं बन पाई हैं।

प्रशासनिक और नीतिगत बाधाएँ

भारत में अनुसंधान नीतियों का निर्माण प्रायः "ऊपर से नीचे" की शैली में होता है — यानी नीतियाँ नौकरशाही स्तर पर बनती हैं, और जिन वैज्ञानिकों को लागू करना होता है, वे प्रक्रिया में शामिल ही नहीं होते। रिसर्च फंडिंग के लिए अत्यधिक फॉर्मलिटीज़, मंज़ूरी के कई स्तर, और पारदर्शिता की कमी बड़ी रुकावटें हैं। इसके अलावा, अनुसंधान को लेकर सरकारी योजनाएँ अक्सर 'प्रोजेक्ट आधारित' होती हैं — यानी किसी सीमित अवधि में परिणाम दिखाने का दबाव। लेकिन विज्ञान का स्वभाव प्रयोगात्मक है, जहाँ विफलता भी सफलता की दिशा में एक कदम होती है। जब नीतियाँ अल्पकालिक परिणामों पर केंद्रित हों, तो मौलिक अनुसंधान (Fundamental Research) की गुंजाइश कम हो जाती है। दुनिया के प्रमुख नवाचार केंद्रों — जैसे अमेरिका की सिलिकॉन वैली, जर्मनी की इंडस्ट्रियल बेल्ट, या जापान की टेक हब्स — में उद्योग और शिक्षा संस्थान एक-दूसरे के पूरक हैं।

भगवान बिरसा मुंडा के प्रेरणादायी जीवन को जन-जन तक पहुंचाएं

-संबंधित विभाग आपसी सहभागिता से कार्यक्रमों का सफल आयोजन करें सुनिश्चित - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर प्रदेशभर में 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जनजाति गौरव वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों, नवाचारों तथा कार्यक्रमों को भव्य रूप से मनाते हुए सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए जिससे भगवान बिरसा मुंडा का प्रेरणादायी जीवन जन-जन तक पहुंच सके। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आजादी के 75 वर्ष के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को प्रत्येक देशवासी तक पहुंचाने के लिए हर वर्ष 15 नवम्बर को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी। इसी के तहत 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक प्रदेशभर में विभिन्न गतिविधियां एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में सभी संबंधित विभाग प्रतिदिन गतिविधियां तथा कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाना सुनिश्चित करें।

प्रत्येक गतिविधि के सफल क्रियान्वयन के लिए बनाएं नोडल अधिकारी —

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रमों के तहत आदि हाट वन धन केन्द्रों तथा जनजाति कलाकारों के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, जनजाति से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, जनजाति क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रामीण सेवा शिविर, विभिन्न कार्यशालाओं सहित अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक गतिविधि के सफल क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारी बनाने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि 15 नवम्बर को जनजाति गौरव वर्ष के तहत राज्य स्तरीय कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को इस आयोजन की तैयारियों के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों में सभी विभागों का आपसी समन्वय एवं सहभागिता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, सचिव स्तर पर विभाग द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की मॉनिटरिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजाति गौरव वर्ष के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सभी जिला कलक्टर स्थानीय स्तर के सभी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर सहभागिता से इन कार्यक्रमों का सफल क्रियान्वयन करें। उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्र के जिले भी स्वयंसेवी संस्थाओं तथा भामाशाहों के सहयोग से विभिन्न तरह के नवाचारों को प्रोत्साहित करें। साथ ही, भगवान बिरसा मुंडा के जीवन को आमजन तक पहुंचाने के लिए साहित्य का प्रकाशन भी किया जाए। इस दौरान संबंधित अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से 1 से 15 नवम्बर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में वीसी के माध्यम से जनजाति क्षेत्र के जिलों के कलक्टर भी जुड़े।

भाजपा ने कांग्रेस से सबकुछ छीना, अब ना तो कांग्रेस के पास कोई विचारधारा और ना ही कोई नेतृत्व- मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बुधवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती देश के लिए गर्व और प्रेरणा का अवसर है। इस अवसर पर भाजपा द्वारा "सरदार @150 यूनिटी अभियान" के माध्यम से एक व्यापक जन-जागरण अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण और अखंडता के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना है। राठौड़ ने बताया कि इस अभियान का शुभारंभ 31 अक्टूबर को जयपुर से "रन फॉर यूनिटी" कार्यक्रम के साथ किया जाएगा, इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित प्रदेश के अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक भाग लेंगे। इसके पश्चात प्रत्येक जिला और विधानसभा क्षेत्र में रन फॉर यूनिटी आयोजित की जाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह कार्यक्रम किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। इस अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति का संकल्प भी लिया जाएगा तथा आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के लिए कुछ कार्य ऐसे हैं, जिनमें राजनीति नहीं, राष्ट्रभक्ति होनी चाहिए। सरदार पटेल ने देश को एक किया, आधे कश्मीर को बचाया और भारत की एकता की नींव रखी। अब हम सबका दायित्व है कि उनके आदर्शों पर चलते हुए एक सशक्त, आत्मनिर्भर और अखंड भारत का निर्माण करें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि एसआईआर होना ही चाहिए, हम इसका स्वागत करते है, यह मतदाता सूची का गहनता से परीक्षण है। भारत किसी धर्मशाला की तरह नहीं है कि कोई भी आए, रहे और वोटर बनकर पैसे के लिए अपना मताधिकार बेच दे। एसआईआर का मतलब है जिसे इस राष्ट्र की चिंता हो, राष्ट्र के प्रति जिसमें पूर्ण रूप से निष्ठा हो, वो जो पूर्ण रूप से इस राष्ट्र को समर्पित हो, वो ही मतदाता बने। बाहरी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से हटाया जाए। कोई भी बांग्लादेशी, रोहिंग्या आकर मतदाता बन जाए और वोट बेच दें, यह हो नहीं सकता। ऐसे लोगों का नाम मतदाता सूची से कटना ही चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने निकाय —पंचायत चुनावों के देरी के सवाल पर कहा कि कांग्रेसी लोग अनभिज्ञता के कारण ऐसे सवाल उठा रहे है। मतदाता सूची लोकसभा—विधानसभा की अलग और निकाय एवं पंचायत चुनावों की अलग होती है। इनकी भाग संख्या अलग होती है, इनके मतदाता सूची अलग होती है, यह समझने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि देरी कांग्रेस के अव्यवस्थित रूप से वार्डों का गठन करने के कारण हुई। कांग्रेस ने अपने चहेतों के हितों को साधने के लिए कहीं एक विधानसभा का जिला बना दिया तो कहीं 13 विधानसभा का एक जिला, कहीं 700 मतदाताओं का वार्ड बना दिया तो कहीं 7 हजार मतदाताओं का वार्ड बना दिया। यह कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति थी, जो वो अपने चहेतों को खुश करने के लिए अपना रहे थे, लेकिन भाजपा की भजनलाल सरकार ने इसमें सुधार करते हुए, उनके बिगड़े हुए ढांचे को सुधारते हुए समान जनसंख्या के आधार पर पुनर्गठन करने का काम किया है। इस नई व्यवस्था के चलते उनको दर्द हो रहा है। उनको लग रहा है कि अब हम तो आएंगे ही नहीं। वैसे मैं यहां स्पष्ट कर दूं कि वो कहीं आने वाले ही नहीं है। पिछले निकाय—पंचायत और विधानसभा उपचुनावों में कांग्रेस कहां है, वे स्वयं तय कर लें। कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ मुंगेरी लाल के सपने देख रही है। निकाय वार्डों में कांग्रेस सरकार द्वारा की गई अनियमितताओं और तुष्टिकरण की राजनीति ने ही देरी और अव्यवस्था पैदा की। भाजपा सरकार ने अब उस व्यवस्था को सुधारने का कार्य किया है ताकि लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत हो। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के पास अब न तो कोई विचारधारा बची है और न ही कोई नेतृत्व। भाजपा ने कांग्रेस से सबकुछ छीन लिया है। महात्मा गांधी, सरदार पटेल और डॉ. अंबेडकर जैसी विभूतियों के विचार आज भाजपा आगे बढ़ा रही है। कांग्रेस के पास आज केवल एक नाम है राहुल गांधी, जबकि मूल गांधी और उनके विचार आज भाजपा के पास हैं। राठौड़ ने कहा कि जो लोग भारत माता की जय या राष्ट्रगान गाने वालों को भाजपा से जोड़ते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि यह भावनाएँ किसी दल की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की हैं। राठौड़ ने कांग्रेस के संगठनात्मक हालात पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वहां आंतरिक लोकतंत्र समाप्त हो चुका है। डोटासरा स्वयं स्वीकार कर चुके हैं कि ऊपर से जिलाध्यक्ष तय किए जा रहे है, या थोपे जा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस के नेताओं द्वारा युवा नेतृत्व की बातें करना केवल दिखावा है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस बिहार में गठबंधन के नाम पर बेमेल जोड़-तोड़ कर रही है, जबकि राजस्थान में अपने ही कार्यकर्ताओं को किनारे कर चुकी है। भाजपा के पास संगठन, विचार और जनता का विश्वास तीनों हैं, और यही हमारी ताकत है।

जयपुर में सम्पन्न हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

-साथिनों और पर्यवेक्षकों को जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम पर मिली सशक्त प्रशिक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता निदेशालय जयपुर द्वारा सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीएफएआर) के सहयोग से चार जिलों–जैसलमेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं सीकर की साथिनों और पर्यवेक्षकों के लिए राजस्थान सहकारिता शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान जयपुर में 27 से 29 अक्टूबर तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। महिला अधिकारिता आयुक्त नीतू राजेश्वर ने बताया कि यह प्रशिक्षण चार नियोजित प्रशिक्षण सत्रों में से तीसरा था जो विशेष रूप से 15 जिलों की साथिनों और पर्यवेक्षकों के लिए आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस व्यापक प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य साथिनों को आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना है ताकि वे प्रभावी ढंग से कार्य कर सके और अपने समुदाय में जेंडर-आधारित हिंसा (जी.बी.वी) की रोकथाम की क्षमता को और सशक्त बना सके। नीतू राजेश्वर ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को महिलाओं के खिलाफ हिंसा रोकथाम से सम्बंधित कानूनों और योजनाओं, संचार के माध्यम, समुदाय में किस तरह से जेंडर-आधारित हिंसा (जीबीवी) की रोकथाम एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं के साथ समन्वित प्रयास किये जाये, इस विषय पर व्यापक समझ प्रदान की गई। साथ ही प्रतिभागियों ने महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र एवं स्नेह -आंगन केंद्र गांधीनगर का विजिट किया और दोनों केन्द्रों की कार्य प्रणाली को गहनता से समझा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के अंतिम दिन साथिनों और पर्यवेक्षकों ने मिलकर एक व्यावहारिक एक-महीने की पायलट कार्ययोजना तैयार की, जिसमें उन विशिष्ट चरणों की रूपरेखा थी जिन्हें वे अपने नियमित कार्यों में क्रियान्वित करेंगे। कार्यक्रम के समापन पर 27 प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर विभाग द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

जयपुर में 'एकता मार्च' का होगा आयोजन

-31 अक्टूबर को प्रात: 6 बजे गांधी सर्किल से शुरू होगी पदयात्रा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर 31 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे जयपुर के गांधी सर्किल से एकता मार्च का भव्य शुभारंभ किया जाएगा। डॉ. पवन ने बुधवार को गांधी सर्किल से अमर जवान ज्योति पर मौके पर पहुंच पदयात्रा की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। डॉ. पवन ने बताया कि एकता मार्च का मार्ग जयपुर के गांधी सर्किल से बिड़ला मंदिर, रामबाग, अंबेडकर सर्किल होते हुए अमर जवान ज्योति तक रहेगा। उन्होंने बताया कि इस पदयात्रा में विशिष्टजन, प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी, एनएसएस, एनसीसी, युवा लीडर, पुलिस, आरएसी, होमगार्ड, विभिन्न कर्मचारी संघ, एनजीओ, राजकीय कार्मिकों सहित बड़ी संख्या में आमजन भाग लेंगे। इससे पहले सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित मीटिंग हॉल में उन्होंने अधिकारियों से अब तक किये गये कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। डॉ. पवन ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को एकता मार्च के सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागियों का भाग लेना सुनिश्चित करने और उनके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला प्रशासन, सूचना एवं जनसम्पर्क, डीओआईटी, पर्यटन, नगर निगम ग्रेटर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्काउट गाइड, हायर एजुकेशन सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शाहपुरा पुलिया अधूरी - जनता परेशान, NHAI का दावा निकला झूठा!

दिगराज सिंह शाहपुरा ने चेतावनी दी है कि— "यदि शीघ्र ही पुलिया निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया गया तो किसान कांग्रेस जनआंदोलन के माध्यम से जनता की आवाज को सड़कों पर लेकर उतरेगी। अब जनता जवाब चाहती है — जिम्मेदारी कौन लेगा?

शाहपुरा/मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। लगातार 80 दिन बीत जाने के बाद भी शाहपुरा पुलिया का कार्य अधूरा पड़ा है। यह पुलिया क्षेत्र की जीवन रेखा है, जिसकी देरी से हजारों लोगों को रोजाना भारी यातायात जाम, धूल-मिट्टी और दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दिगराज सिंह शाहपुरा ने इस गंभीर लापरवाही पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) और संबंधित ठेकेदार कंपनी पर निशाना साधते हुए कहा— "जनता को झूठे वादों से भरमाना बंद करें। अगर 80 दिन में काम पूरा नहीं हो सका तो NHAI और प्रशासन जनता के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों की तकलीफों का जिम्मेदार आखिर कौन है?" उन्होंने कहा कि इस पुलिया के कारण ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है। स्थानीय प्रशासन और NHAI के अधिकारियों की निष्क्रियता से लोगों में आक्रोश है।

जेडीए ने दो बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी को किया ध्वस्त

-अन्य स्थानों से सड़क सीमा से हटाए अतिक्रमण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-11 में निजी खातेदारी करीब 02 बीघा कृषि भूमि पर नवीन अवैध कॉलोनी को पूर्णतः ध्वस्त किया गया। अजमेर रोड़, भांकरोटा में सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-पीआरएन-साउथ में मानसरोवर रीको कांटा के पास आयकर कॉलोनी की 60 फीट रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। किसान धर्मकांटा से बदरवास की तरफ जाने वाली रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-03 में सरकारी भूमि पर बने पुराने अत्यधिक जर्जर, अनुपयोगी कियोस्कों के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित अजमेर रोड़, भांकरोटा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर के खसरा नं. 1619/2827 में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ वेल्डिंग वर्कशॉप के लिए टीनषेडनुमा ढांचा, कमरा, बाउण्ड्रीवाल का अवैध निर्माण कर किये गये अतिक्रमणों को उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में जोन-11 के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित डिग्गी रोड़, ग्राम चिरोटा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल की सड़के व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में आज जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से प्रारिम्भक स्तर पर ही ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के क्षेत्राधिकार में अवस्थित मानसरोवर रीको कांटा के पास आयकर कॉलोनी की 60 फीट रोड सीमा पर करीब 12 स्थानों पर अस्थाई अतिक्रमण कर बांस, तम्बू, तिरपाल थडी-ठेले, होर्डिंग, साईन बोर्ड लगाकर किये गये अतिक्रमणों को उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में आज जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर 60 फीट रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।

जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के क्षेत्राधिकार में अवस्थित किसान धर्मकांटा से बदरवास की तरफ जाने वाली रोड सीमा पर करीब 06 स्थानों पर अस्थाई अतिक्रमण कर थडी-ठेले, होर्डिंग, साईन बोर्ड लगाकर किये गये अतिक्रमणों को उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देषन में आज जोन-पी.आर.एन.(साउथ) के राजस्व, तकनीकी स्टॉफ पटवारी की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त कर हटवाया जाकर रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जोन-03 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित इमली वाला फाटक के पास सरकारी भूमि पर बने पुराने अत्यधिक जर्जर, हो रहे 04 अनुपयोगी कियोस्कों को जोन 03 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मषीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया गया। उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-11, पी.आर.एन.(साउथ), 03 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई। प्रवर्तन प्रकोष्ठ जविप्रा द्वारा वर्ष 2024 में 383 व वर्ष 2025 में 319 आज तक कुल 702 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर अवैध कॉलोनियाँ बसाने के प्रयासों को विफल किया गया।

टोडी हादसा : अपने सपनों के साथ आए थे मनोहरपुर... किसी को बेटी की शादी करनी थी, किसी को कर्ज चुकाना था

-पीलीभीत से रोज़ी-रोटी की तलाश में आए मजदूरों पर टूटा कहर
-स्लीपर बस हादसे में बाप-बेटी की मौत से गांव में मातम

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना क्षेत्र के टोडी गांव में मंगलवार को हुए स्लीपर कोच बस हादसे ने कई घरों के सपनों को राख कर दिया। उत्तरप्रदेश के पीलीभीत जिले से रोज़ी-रोटी की तलाश में निकले मजदूरों का यह सफर मनोहरपुर पहुंचने से पहले ही मौत की मंज़िल में बदल गया।

हादसे में बाप-बेटी की मौत और छह मजदूरों के गंभीर रूप से झुलसने से पूरा इलाका गमगीन है। मंगलवार को जब उनके साथी मजदूरों ने घटना का मंजर याद किया, तो आंखों से आंसू रुक नहीं पाए। इस दौरान शफीक अहमद ने बताया कि उनका सारा सामान जलकर राख हो गया।

सोचा था मेहनत करेंगे, कर्ज चुकाकर घर बनाएंगे...

घायलों में शामिल मजदूर नफीस अहमद ने बताया कि वे अपने गांव पीलीभीत से 77 मजदूरों के साथ ईंट भट्टे पर काम करने आ रहे थे। "हमने सोचा था मेहनत करके कर्ज चुकाएंगे, बच्चों को पढ़ाएंगे, कुछ पैसे जोड़कर गांव में मकान बनाएंगे... लेकिन किस्मत ने कुछ और ही लिख दिया।" हादसे में मारे गए व्यक्ति की पत्नी जेबुन निशा और छोटे बच्चे का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि वह बेटी की शादी के लिए पैसे जुटाने निकला था, पर अब वह सपना अधूरा सा रह गया।

एक पल में बदल गया सबकुछ:-

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही बस की छत पर बंधी मोटरसाइकिल 11 हजार केवी हाई टेंशन लाइन से छुई, बस में करंट दौड़ गया। कुछ सेकंड में आग लग गई और तीन सिलेंडर धमाके के साथ फट गए। मजदूरों ने किसी तरह खिड़कियां तोड़कर जान बचाई, लेकिन कुछ लोग बाहर नहीं निकल पाए।

इस दौरान गांव में सन्नाटा, पीलीभीत में मातम:-

हादसे की खबर जब पीलीभीत के गांवों तक पहुंची, तो वहां कोहराम मच गया। परिजन पूरे दिन रोते-बिलखते रहे। कई परिवारों ने कहा — जिस रोटी की तलाश में गए थे, वही रोटी अब जहर बन गई। वही राष्ट्रीय राज मार्ग पर मनोहरपुर टोल प्लाजा पर परिवहन विभाग टीम के Rto बाबूलाल ने कार्यवाही की।

प्रदेशभर में 17 से 30 नवम्बर तक संचालित होगा एफसीएम पिंक ड्राइव पखवाड़ा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एनीमिया नियंत्रण एवं उपचार के उद्देश्य से प्रदेशभर में 17 से 30 नवम्बर तक एफसीएम पिंक ड्राइव पखवाड़ा संचालित किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर चिकित्सा, स्वास्थ्य विभाग द्वारा डवलपमेंट पार्टनर जपाईगो के सहयोग से बुधवार को गर्भवती महिलाओं में एनीमिया प्रबंधन हेतु फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज (एफसीएम) के उपयोग विषय पर राज्य-स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारियों, स्त्री रोग विशेषज्ञों एवं अन्य स्वास्थ्य विशेषज्ञों सहित डवलपमेंट पार्टनर्स के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मिशन निदेशक, एनएचएम डॉ. अमित यादव ने प्रदेशभर में संचालित होने वाले एफसीएम पिंक ड्राइव पखवाड़ा, एफ़.सी.एम. दिशा-निर्देशिका एवं सेवा प्रदाताओं के लिए सही खुराक की गणना हेतु पोस्टर और डिजिटल एप्लिकेशन (गर्भ सूत्र एप्लिकेशन) का शुभारंभ किया। साथ ही उन्होंने ई-लर्निंग मॉड्यूल्स और पीसीटीएस –एएनसी डिजिटल एनेलिटिकल डैशबोर्ड्स का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि ये डिजिटल नवाचार सेवा प्रदाताओं की क्षमता-वृद्धि, रियल-टाइम मॉनिटरिंग, और डेटा-आधारित निर्णय-निर्माण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मातृ मृत्यु दर में निरंतर कमी लाने हेतु साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और प्रणाली सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर ने कहा कि एफसीएम आयरन इंजेक्शन, जिसे फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज़ इंजेक्शन (जैसे ओरोफेर एफसीएम) कहा जाता है, आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया के इलाज के लिए दिया जाता है। फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज़ शरीर को आयरन देता है, जिससे लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण और हीमोग्लोबिन बढ़ता है, यह शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए जरूरी होता है। परियोजना निदेशक मातृत्व स्वास्थ्य डॉ. तरुण चौधरी ने प्रजेंटेशन के माध्यम से एफसीएम के उपयोग, दिशा-निर्देश के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में तकनीकी सत्रों एवं जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन वाले वाले अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही सुरक्षा प्रोटोकॉल, सेवा प्रदायन प्रणाली तथा डेटा अभिलेखन और रिपोर्टिंग मानकों पर चर्चा की गई। इन विचार-विमर्शों ने एनीमिया प्रबंधन में गुणवत्ता, सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान की प्रतिबद्धता को और सशक्त किया। जपाईगो के डॉ. कमलेश लालचंदानी, डॉ. यशपाल जैन ने भी विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राज्य एवं जिला स्तर की रणनीतियों को संरेखित करने हेतु एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य कर रहा है ताकि FCM का सदुपयोग कर मातृ स्वास्थ्य सुधार के लिए एक गेम-चेंजिंग गतिविधि के रूप में लागू किया जा सके।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

भाजपा ने सदैव गरीब कल्याण पर ध्यान दिया है – डॉ. प्रेमचंद्र बैरवा

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता मांगरोल उपचुनाव मे राजस्थान सरकार मे उप मुख्यमंत्री प्रेमचन्द बैरवा भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के लिए जनसमर्थन जुटाने बुधवार को अंता मांगरोल विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे, जंहा नगर की बैठक एवं पचेल कलां मे नुक्कड़ सभा मे उपस्थित कार्यकर्ताओं व आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने एक सरल सौम्य व ईमानदार उम्मीदवार मोरपाल सुमन को आपके बीच भेजा है वहीं कांग्रेस ने एक ऐसे व्यक्ति पर दांव खेला है जिस पर भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोप दर्ज है यह चुनाव ईमानदारी व बेईमानी के बीच का चुनाव है बैरवा ने कहा कि राजस्थान की भजललाल सरकार हो अथवा पूर्व में भाजपा की वसुंधरा राजे की सरकार रही हो हमारी सरकारों ने सदैव गरीब को गणेश मानकर कार्य किए हैं बैरवा ने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसानों युवाओं व महिलाओं के कल्याण के लिए काम कर रही है।

इसके बाद उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द्र बैरवा ने काचरी, पचेल् कला, सीसवाली, मांगरोल नगर, एवं बमोरी कला मे जन संपर्क किया इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार, चुनाव सह प्रभारी छगन माहुर, विधायक राधेश्याम बैरवा, अंता पालिका चेयरमेन रामेश्वर खंडेलवाल, भाजपा नेता महावीर सिंह हाड़ाँ, अंता नगर अध्यक्ष रोहित नंदवाना, भाजपा नेता विष्णु गौतम सहित विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहे।

पांच दिवसीय शुभ तुलसी विवाह का आयोजन 29 अक्टूबर से 2 नवंबर तक

बारां (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय अग्रवाल महिला जिला संगठन इकाई बारां द्वारा कार्तिक माह में पुण्य काम करने के उद्देश्य को लेकर तुलसी विवाह करने का विचार किया गया। कार्तिक माह में संगठन की सभी सदस्यों ने मिलकर तुलसी माता व शालिग्राम जी का विवाह बड़ी धूमधाम से करने का निर्णय लिया।

इस प्रोग्राम को लेकर सभी ने उत्साह दिखाया और मुख्य येजमान की भूमिका निभाने के लिए दीनदयाल पार्क पर स्थित मंजू सुरेश बंसल ने अपना नाम दिया। संगठन द्वारा उनका उत्साहवर्धन किया गया। क्लब की अध्यक्ष नीतू गुप्ता व महामंत्री मधु गोयनका ने बताया कि हमारी संस्था समाज सेवा के साथ-साथ धार्मिक आयोजन भी करती रहती हैं उसी को ध्यान में रखकर पांच दिवसीय तुलसी विवाह का आयोजन किया जा रहा है आज प्रथम दिवस विनायक स्थापना की शुरुआत बड़ी धूमधाम से की गई विनायक पूजा देव पूजा के बाद सभी महिलाएं बैंडबाजों के साथ में खाना गार लेने गई। कोषाध्यक्ष बबली अग्रवाल एवं हेमलता गर्ग ने बताया कि संगीत मय सुंदरकांड का आयोजन भी किया गया और सभी को अल्पाहार करके प्रसाद वितरण किया गया। विवाह के दूसरे दिन 30 अक्टूबर को मेहंदी और संगीत रखा गया है। इस प्रोग्राम में क्लब की सभी सदस्यों के साथ सखी सहेलियां सभी मौजूद थी।

यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष ने ली अन्ता विधानसभा उप चुनाव को लेकर पदाधिकारियों की बैठक

बारां (रॉयल पत्रिका)। अन्ता विधानसभा में विधायक पद को लेकर सम्पन्न होने जा रहे उप चुनाव को लेकर बुधवार को एक निजी होटल में यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक ली गई। यूथ कांग्रेस के महासचिव जगमोहन मेहता ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा उप चुनाव को लेकर आज बैठक आयोजित की गई जिसमें यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी विकास चिकारा, सह प्रदेश प्रभारी ज्ञानेश शुक्ला, यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुधीन्द्र मूढ, जिलाध्यक्ष यश जैन ने कांग्रेसजनों की बैठक ली। बैठक में उपस्थित यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए बाहर से पधारे यूथ कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा उप चुनाव को लेकर जिम्मेदारियां दी गई तथा कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में विधानसभा क्षेत्र के गांवो में मतदाताओं एवं ग्रामीणो के बीच जनसंपर्क किया। इस दौरान प्रदेश महासचिव गिर्राज धाकड, प्रदेश महासचिव राजाप्रताप, बारां जिला प्रभारी हरिसिंह नाथावत, जिला उपाध्यक्ष चैरब सक्सेना, मयंक चतुर्वेदी, यश गौत्तम, कोटा शहर जिलाध्यक्ष मोईनुद्दीन गुड्, कोटा जिला ग्रामीण जिलाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह, विधानसभा अन्ता अध्यक्ष चेतन गौत्तम, उपाध्यक्ष सादिक खान, युवा नेता हिमांशु मीणा, अनुराग गौत्तम, गोकुल पंकज, रितिक चैधरी, सूरज हाडा, विकास मीणा, राजा खान, गुलशन नामा, हैदर अली, विवेक मेघवाल सहित यूथ कांग्रेस के सभी जिम्मेदार साथी उपस्थित रहे।

गीतांजली हॉस्पिटल के डॉ. अभिषेक कुमार एआईआईएमएस (AIIMS) ऋषिकेश में गेस्ट फैकल्टी के रूप में आमंत्रित

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अभिषेक कुमार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), ऋषिकेश में आयोजित रिसर्च मेथडोलॉजी (शोध पद्धति) विषयक कार्यशाला में गेस्ट फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया। यह कार्यशाला वर्ल्ड ट्रॉमा वीक 2025 के अवसर पर "स्ट्रेंथनिंग ट्रॉमा सिस्टम: फ्रॉम रिस्पॉन्स टू रिकवरी" विषय पर 11 अक्टूबर 2025 को डिपार्टमेंट ऑफ ट्रॉमा सर्जरी एंड क्रिटिकल केयर, एआईआईएमएस ऋषिकेश द्वारा आयोजित की गई थी। डॉ. अभिषेक कुमार ने इस अवसर पर शोध पद्धति पर एक प्रभावशाली सत्र लिया, जिसमें उन्होंने शोध डिज़ाइन एवं डाटा व्याख्या के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला में ट्रॉमा हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य ट्रॉमा केयर के क्षेत्र में अनुसंधान क्षमता को सशक्त बनाना और एविडेंस-बेस्ड प्रैक्टिसेज़ को प्रोत्साहित करना था।

गोवा में आयोजित NATCON IASO 2025 में डॉ. अजय कुमार यादव को "बेस्ट वीडियो अवार्ड" से सम्मानित

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (IASO) के वार्षिक सम्मेलन NATCON IASO 2025 में डॉ. अजय कुमार यादव को "बेस्ट वीडियो अवार्ड" से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें उनके उत्कृष्ट शल्य कौशल और शिक्षण-उन्मुख वीडियो प्रस्तुति के लिए दिया गया।इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में देश-विदेश के नामी सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट्स ने भाग लिया और नवीनतम शोध, तकनीक एवं उपचार विधियों पर चर्चा की। डॉ. यादव की प्रस्तुति को नवीन तकनीकी दृष्टिकोण और मरीज-हितैषी पद्धति के लिए विशेष रूप से सराहा गया।पुरस्कार प्राप्त करने के बाद डॉ. यादव ने कहा कि यह सम्मान उन्हें कैंसर सर्जरी के क्षेत्र में और भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने अपनी टीम और संस्थान के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रमोद भाया ने किया मतदाताओं से सघन जनसम्पर्क

-धार्मिक क्षैत्र में करवाए गए करोड़ों रूपए के विकास कार्य- भाया

-प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस सारिका सिंह, उर्मिला भाया ने भी किया जनसम्पर्क

बारां (रॉयल पत्रिका) । कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया द्वारा बुधवार 29 अक्टूबर को मांगरोल तहसील के श्यामपुरा, हिंगोनिया, हरसोली, भगवानपुरा, मोतीपुरा, बोहत, पारलिया, गोपालपुरा, भटवाडा, रकसपुरिया, किषनपुरा, मूण्डला सुजानजी, महुआ, सोकन्दा, मूण्डली एवं बल्देवपुरा गांवों में पहुंचकर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया। इस दौरान भाया द्वारा कई गांवों में मंदिर पर जाकर देव दर्शन किए गए। ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह भाया को फलों से तोला जा रहा है, माल्यार्पण, साफाबंदी करके स्वागत सम्मान किया जा रहा है।

प्रमोद जैन भाया ने गांवों में जनसम्पर्क के दौरान कहा कि उनके द्वारा कांग्रेस शासन के दौरान विभिन्न क्षैत्रों में करोड़ों रूपए के विकास कार्य करवाए गए है। धार्मिक क्षैत्र की बात करें तो मऊ बालाजी, सोरसन माताजी, सीमली चौथ माताजी, बिजोरा चौथ माताजी, बैंगनी माताजी, शनि महाराज बोरेडी, कंकाली माताजी कोयला, तांखाजी महाराज मालबमोरी, ब्रह्मणी माताजी बमूलिया माताजी, बिसोती माताजी बडगांव में सामुदायिक भवन निर्माण तथा सीताबाडी में लक्ष्मण कुण्ड का जीर्णोद्वार एवं सौन्दर्यकरण के कार्य करवाए गए है। इसी के साथ-साथ धार्मिक महत्व की सड़कें तथा सीसी सडकें छप्पनजी महाराज रसखेडा, इकलेरा से दांता साहब, खेडा हनुमानजी कोटडी तुलसां, फाफूजी महाराज के सीसी मियाडा, किशनपुरी बालाजी सीसवाली, बीहड का बालाजी पापडली, नदी का बालाजी मिर्जापुर, गोविन्दपुरा बालाजी रोड, राजपुरा से शनि महाराज बोरेडी, शनि महाराज के टू लेन रोड मय डिवाइडर, कोटडागढ माताजी राजपुर (शाहबाद), बडोद महादेवजी सीसवाली, मायथा भैरूजी मायथा, सीताबाडी तक फोरलेन रोड निर्माण 25 करोड, शाहबाद माताजी तपस्वीजी की बगीची सहित करोडो के कार्य राशि 12 करोड तथा भटवाडा गणेश जी के यहां पर 6 करोड की लागत से कार्य करवाए गए है। भाया ने कहा कि जनता ने जब-जब उन्हें आशीर्वाद दिया है उनके द्वारा धार्मिक क्षैत्र में भी करोडों रूपए के ऐतिहासिक कार्य करवाए गए है। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह, जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया द्वारा अपने समर्थकों के साथ अन्ता, सीसवाली एवं मांगरोल कस्बे में जनसम्पर्क किया गया।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम:

7 फरवरी 2026 तक चलेगी एसआईआर की प्रक्रिया

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 7 फरवरी 2026 तक एसआईआर की प्रक्रिया चलेगी। इसे लेकर जिले में व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम के अन्तर्गत 3 नवबंर तक प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्र के मुद्रण का कार्य होगा तथा 4 नवबंर से 4 दिसंबर तक घर-घर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रहण का कार्य होगा। इसके पश्चात 9 दिसंबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियां 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक ली जाएगी। जबकि 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक नोटिस फेज रहेगा जिसमें सुनवाई एवं सत्यापन किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। जिला निवार्चन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जिले में वर्ष 2025 की वर्तमान मतदाता सूची के अनुसार 9 लाख 84 हजार 339 मतदाता है। जिनकी इस कार्यक्रम के अंतर्गत जांच बूथ लेवल अधिकारियों के द्वारा गणना प्रपत्र भरवाकर की जानी है। इनमें से 40 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या लगभग 4.42 लाख है जिसमें से 82.53 प्रतिशत की मैंपिंग की जा चुकी है। वहीं 5.43 लाख मतदाता 40 वर्ष से कम आयु के है इनकी मैपिंग का कार्य प्रगति पर है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी, चुनाव समन्वयक हीरालाल वर्मा, सहायक निदेशक जनसम्पर्क योगेन्द्र शर्मा व एपीआरओ मोहनलाल भी उपस्थित थे।

बीएलओ, स्वयंसेवकों एवं हेल्पडेस्क कार्मिकों का प्रशिक्षण

तोमर ने बताया कि समस्त बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण किया जा चुका है, शीघ्र ही इनके लिए रिफ्रेशर सत्र आयोजित किया जाएगा। बीएलओ द्वारा अपनी दैनिक प्रगति का अभिलेखन किया जाएगा जिसके आधार पर ईआरओ, डीईओ एवं सीईओ स्तर पर उनका पर्यवेक्षण किया जाएगा। साथ ही स्वयंसेवकों एवं हेल्पडेस्क कार्मिकों का प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया जाएगा।

राजनैतिक दलों एवं मीडिया की सहभागिता

तोमर ने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित सभी बिंदुओं से अवगत कराया जाएगा। बीएलए नियुक्ति की स्थिति एवं बीएलए-2 की भूमिका पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही अधिक से अधिक सहभागिता के लिए भी अनुरोध किया जाएगा, जिससे निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनी रहे। जिला स्तर पर मीडिया सेल गठित किया गया है। विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में केवल जिला निर्वाचन अधिकारी ही जिला स्तर पर अधिकृत प्रवक्ता होंगे। नियमित प्रेस विज्ञप्ति एवं सोशल मीडिया अपडेट जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं पंचायत स्तर पर ऑनलाइन आवेदन के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों व राजसखी को विशेष रूप से महिला मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए जोड़ा जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एकीकृत ईसीआईनेट ऐप व वेबसाइट लॉन्च की गई है, इसमें बुक ए कॉल विद बीएलओ का भी फीचर उपलब्ध है, जिसके माध्यम से मतदाता बीएलओ से सीधा संपर्क करते हुए विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट से भी संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के नाम एवं मोबाइल नंबर प्राप्त कर संपर्क किया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एलएन मंत्री ने राजनैतिक दलों व मीडीयाकर्मियो को दी जानकारी

-7 फरवरी 2026 तक चलेगी एसआईआर की प्रक्रिया

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बुधवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एलएन मंत्री की अध्यक्षता में एसआईआर के महत्वपूर्ण बिन्दओं को लेकर राजनैतिक दलों व मीडियाकर्मियो के साथ बैठक आयोजित कर जानकारी दी गयी। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी मंत्री ने बताया विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूचियों के मुद्रण व प्रशिक्षण 28 से 03 नवम्बर तक होगा। बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर परिणगना पत्र भरने का कार्य 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक किया जाएगा। मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 9 दिसम्बर, दावे व आपत्तियों की अवधि 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक रहेगी। ईआरओ/एईआरओ द्वारा नोटिस पर सुनवाई व सत्यापन की तिथि 9 दिसम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक एवं मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पाली में कुल 1337 मतदान केन्द्र, 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान के पुनगर्ठन उपरांत कुल मतदान केन्द्र 1631, नवसृजित मतदान केन्द्र 234, वर्तमान में प्रत्येक बूथ पर औसत निर्वाचक 928, वर्तमान बूथ लेवल अधिकारी 1397, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 5 एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 24 है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ईआरओ या एईआरओ प्रत्येक मतदान के लिए गणना प्रपत्र मुद्रित कर बीएलओ द्वारा प्रत्येक मौजूदा मतदाता को गणना प्रपत्र वितरित करने का कार्य करेंगे तथा मतदाता को आपने नाम या अपने रिश्तेदारों के नाम के साथ मिलान/लिंक करने में मदद करेंगे जो कि 2002 में आयोजित विगत एसआईआर में थे। उन्होंने बताया कि नए मतदाता को शामिल करने के लिए फार्म 6 और घोषणा पत्र प्राप्त करें और मिलान व लिंकिंग में सहायता करेंगे। बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर कम से कम 3 बार जाएंगे व बीएलओ को ईएफ के अलावा, गणना चरण के दौरान ईएफ के साथ कोई अन्य दस्तावेज नहीं लिए जाएंगे। साथ ही ईआरओ या एईआरओ मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त हुए उनके सभी के नाम ड्रॉफ्ट रोल में शामिल करेंगे तथा उन सभी मतदाताओं को नोटिस जारी करें जिनके नाम विगत एसआईआर से मेल नहीं खा पाए या लिंक नहीं हो पाए हैं ऐसे मामलों की सुनवाई कर अंतिम रोल में उनके नाम शामिल करने या निकालने पर निर्णय लेंगे। उन्होंने बताया कि यह भी सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति शामिल न हो पाए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ बजरंगसिंह, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी, कांग्रेस व भाजपा के राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं निर्वाचन शाखा के सुरेन्द्र जैन व संदीप दवे एवं मीडियाकर्मी आदि मौजूद रहे।

राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में व्याख्याता पर गमले चोरी का आरोप

-छात्रों में भारी आक्रोश, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजकीय बांगड़ महाविद्यालय, पाली में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें कॉलेज के ही एक व्याख्याता पर संस्थान की संपत्ति चोरी करने का आरोप लगा है। यह मामला कॉलेज परिसर के गमलों की चोरी से जुड़ा है, जिसके चलते छात्रों में भारी आक्रोश व्याप्त है। छात्रों द्वारा बताया गया की 24 अक्टूबर 2025 की शाम लगभग 6 बजे महाविद्यालय परिसर में व्याख्याता श्रवणसिंह राजपुरोहित द्वारा कॉलेज के गमले अपने वाहन में ले जाने की घटना हुई। बाद में यह खबर सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, व्हाट्सऐप ग्रुप्स और स्थानीय न्यूज़ पोर्टल्स पर तेजी से वायरल हो गया। खबर वायरल होने के बाद छात्रों ने कॉलेज प्रशासन से इस मामले में तत्काल कार्रवाई की माँग की। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गणपत पटेल का कहना है कि सरकारी संपत्ति की चोरी करना "अकादमिक मर्यादा" के खिलाफ है और इस तरह की हरकतें कॉलेज की छवि धूमिल करती हैं। इसके बावजूद कॉलेज प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। मामले से नाराज़ छात्रों ने जिला कलेक्टर, पाली को ज्ञापन सौंपकर व्याख्याता के खिलाफ सख्त कार्रवाई की माँग की है। ज्ञापन पर पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गणपत पटेल सहित कई छात्र नेताओं के हस्ताक्षर हैं। गणपत पटेल ने कहा यह केवल कॉलेज की नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की साख पर प्रश्नचिह्न है। सरकारी संपत्ति का इस तरह से दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छात्रसंघ उपाध्यक्ष असगर खत्री ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा शीघ्र जांच और कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन की राह अपनाएँगे। छात्र नेता विकाश राठौड़ ने कहा की अगर प्रशासन कार्रवाई नहीं करता, तो छात्र शांत नहीं बैठेंगे। छात्रों ने यह भी मांग की है कि कॉलेज परिसर में CCTV कैमरे की निगरानी को और सख्त किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएँ दोबारा न हों। इस दौरान छात्रसंघ उपाध्यक्ष असगर खत्री छात्र नेता भरत सिह भाटी, विकास राठौड़, नरेश चौधरी, ऋतिक सोनी, पूनम सिंह भाटी, पूजा, प्रियंका, मंजू, मनीषा आदि छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

"विकसित भारत 2047" व "आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी" विषयों पर आयोजित होंगी निबंध प्रतियोगिता

-विद्यार्थी बड़े पैमाने पर ले हिस्सा और विकसित भारत 2047 के निर्माण में दे अपना अहम योगदान

बारां (रॉयल पत्रिका)। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा राज्य के समस्त राजकीय महाविद्यालयों को नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता के केंद्र बनाने व विद्यार्थियों को वैश्विक नागरिक बनाने, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से विकसित भारत 2047 व आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी विषयों पर निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन 4 नवम्बर 2025 मंगलवार को दोपहर बारह बजे से एक बजकर तीस मिनट के मध्य किया जायेगा। निबंध प्रतियोगिता एक साथ आयोजित की जाएगी विद्यार्थी दोनों में से किसी एक निबंध प्रतियोगिता में भाग ले सकता है। महाविद्यालय के नियमित विधार्थी अथवा प्रतिभागी कॉलेज का परिचय पत्र व वर्तमान सत्र की फीस की रसीद अवश्य साथ लाएं। राजकीय महाविद्यालय बारां के प्राचार्य प्रोफेसर भगवान सिंह मीणा ने बताया कि महाविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता मे विधार्थी अधिक से अधिक संख्या में भाग लेना सुनिश्चित करें। प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेताओं के नाम जिला स्तर पर भेजे जायेंगे फिर जिला स्तर से तीन विजेताओं का चयन कर संभाग स्तर पर भेजे जाएंगे फिर संभाग स्तर से तीन विजेताओं का चयन कर राज्य स्तर पर भेजा जाएगा। राज्य स्तर पर प्रथम तीन विजेताओं को क्रमश इक्कीस हज़ार रुपये, ग्यारह हज़ार रुपये और पांच हज़ार एक सो रुपये का नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के साथ-साथ अठारह सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे और प्रत्येक सांत्वना पुरस्कार में प्रत्येक को एक हज़ार की राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। महाविद्यालय स्तर पर भाग लेने वाले प्रतिभागियों को महाविद्यालय द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता को सफल बनाने के उद्देश्य से 29 अक्टूबर 2025 को राजकीय महाविद्यालय बारां में एक अत्यावश्यक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें संकाय सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियां से अवगत करवाते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए।

31 अक्टूबर तक दस्तावेज सत्यापन और फीस जमा कराने का अवसर

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजकीय बांगड महाविधालय के अकादमिक सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में वंचित डिफ़ॉल्टरस आवेदकों को 31 अक्टूम्बर 2025 तक दस्तावेज सत्यापन और फीस जमा का अवसर दिया गया है। राजकीय बांगड़, महाविद्यालय पाली के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि अकादमिक सत्र 2025.26 में स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में रिक्त स्थानों के लिए पूर्व में दस्तावेज सत्यापन और शुल्क जमा कराने से वंचित डिफ़ॉल्टरस आवेदकों को 31 अक्टूम्बर 2025 तक दस्तावेज सत्यापन और फीस जमा का अवसर दिया जा रहा है। यह अवसर केवल हिंदी, अर्थशास्त्र, अकाउन्ट्स, बीएसई और व्यावसायिक प्रशासन विषय में ही उपलब्ध है। इस के लिए महाविद्यालय में सम्बन्धित विषय के प्रवेश प्रभारी से संपर्क कर सकते है।

नगर निगम ने रैलिंग चोरी की एफआईआर दर्ज करवाई

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज के निर्देशों की अनुपालना में सर्किट रोड़ के बिच डिवाईडर पर लोहे की रेलिंग लगी हुई थी। रैलिंग को रात्रि के समय किसी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा तोड़कर ले जा रहे थे। नगर निगम के डीओसी इन्चार्ज बादलसिंह मेड़तीया द्वारा रेलिंग चोरी की कोतवाली पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज करवाई गई। साथ ही आम जनता से आग्रह किया है कि यदि उन्हें रात्रिकाल में नगर निगम के सीवर, मैन हॉल, क्रांस, जाली अथवा रेलिंग, पोल आदि को संदिग्ध व्यक्ति चुराता मिले तो मय फोटो उसकी सूचना नगर निगम की डीओसी शाखा को दी जावें। बादलसिंह मेड़तीया मोबाईल नम्बर 90572-18563 दी जावें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जायेगी।

मुम्बई से घर लौट रहे 60 वर्षीय बुजुर्ग की ट्रेन में बिगड़ी तबीयत घर जाने की बजाय पहुंचा अस्पताल

-मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार ने इमरजेंसी में ऑपरेशन कर लीवर से निकाली करीब चार सौ एमएल मवाद, रोगी की हालत में सुधार, आईसीयू वार्ड में भर्ती

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मुम्बई से घर लौट रहे 60 वर्षीय बुजुर्ग की ट्रेन में अचानक तबीयत बिगड़ गयी। जो चूरू पहुंचने पर अपने घर नहीं जाकर सीधा डीबी अस्पताल पहुंचा। जिसकी जांच करने पर सामने आया कि उसके लीवर में मवाद भर गयी हैं। जिसका ईलाज केवल ऑपरेशन ही था। जिसकी तुरन्त जांच करवाकर इमरजेंसी में ऑपरेशन कर जान बचायी गयी। फिलहाल बुजुर्ग आईसीयू वार्ड में भर्ती है। जिसकी हालत में सुधार हैं। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार ने बताया कि रतननगर निवासी 60 वर्षीय उम्मेद मुम्बई में रहता हैं। जो 24 अक्टूबर को मुम्बई से ट्रेन में घर आ रहा था। रास्ते में उसे तेज पेट दर्द और बुखार आ गया। जिससे उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गयी। जो 24 अक्टूबर की शाम ट्रेन से चूरू पहुंचा था। तेज पेट दर्द व बुखार के कारण घर नहीं जाकर सीधा डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में पहुंचा। जहां उसकी हालत खराब थी। मेडिकल स्टाफ ने इसकी सूचना मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार को दी। जिन्होंने तुरन्त अस्पताल पहुंचकर बुजुर्ग की सभी जांचे करवायी। 25 की सुबह बुजुर्ग की जांच रिपोर्ट आयी। जिसमें सामने आया कि बुजुर्ग के लीवर में काफी मवाद भरी हुई हैं। जो लगातार बढ़ती जा रही हैं। जिसके कारण तेज पेट दर्द और बुखार आ गया है। रिपोर्ट आते ही डॉ. पुकार ने तुरन्त इमरजेंसी में ऑपरेशन कर बुजुर्ग उम्मेद की जान बचायी। उन्होंने बताया कि करीब एक घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद अब बुर्जुग की हालत बेहतर है। जिसको आईसीयू वार्ड में भर्ती किया गया हैं। ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ. एमएम पुकार, डॉ. गजानन्द रसगनिया, डॉ. रूपल कुमावत, एनसथेटिक डॉ. आंकाक्षा, डॉ. सुमन भड़िया, नर्सिंग ऑफिसर अनू व देवीदान शामिल थे। गौरतलब है कि चूरू मेडिकल कॉलेज में प्रिंसिपल के रूप में डॉ. एमएम पुकार आने के बाद यहां जटिल और बड़े ऑपरेशन होने लगे हैं। डॉ. पुकार के चूरू मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल बनने के बाद अस्पताल की सफाई व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं में भी काफी सुधार हुआ हैं। जहां पहले बड़े ऑपरेशन के लिए रोगियों को जयपुर, बीकानेर या अन्य बड़े शहरों में जाना पड़ता था। मगर इनके यहां आने के बाद काफी गंभीर ऑपरेशन डीबी अस्पताल में किये गये हैं। जिससे रोगियों को काफी लाभ मिल रहा हैं। अस्पताल में निशुल्क हुआ ऑपरेशन डॉ. पुकार ने बताया कि डीबी अस्पताल में सरकार की योजनाओं के अनुसार रोगी का निशुल्क ऑपरेशन हुआ हैं। जबकि निजी अस्पताल में इस तरह के ऑपरेशन के करीब दो लाख रूपए खर्च होते हैं। मगर यहां रोगी का ऑपरेशन निशुल्क हुआ हैं।

अवैध खनन की रोकथाम को लेकर जिला कलक्टर लोक बन्धु ने ली बैठक

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिले में अवैध खनन की रोकथाम को लेकर जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजरी सहित अन्य खनिजों के अवैध खनन, निर्गमन एवं भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम के लिए संयुक्त रूप से कार्रवाई की जाए और दोषियों पर सख्त कदम उठाए जाएं। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि अवैध खनन को रोकने के लिए पुलिस, परिवहन, राजस्व, खनन और वन विभाग की संयुक्त टीम बनाकर कार्यवाही की जाए। अवैध खनन करने वालों पर त्वरित कार्रवाई की जाए। अजमेर विकास प्राधिकरण क्षेत्र, वन क्षेत्र, रीको क्षेत्र तथा नगरीय निकाय क्षेत्र में आपसी समन्वय के साथ अवैध खनन रोकें। किसी भी विभाग द्वारा अवैध खनन से जुड़ी कार्यवाही करने पर परिवहन विभाग को सूचना देकर जुर्माना वसूलने की कार्यवाही कराएं। उन्होंने कहा कि कृषि भूमि पर अवैध खनन करने की स्थिति में इसकी सूचना तहसीलदार को देने से खातेदारी अधिकार निरस्त किए जाएंगे। परिवहन विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बिना वैध दस्तावेजों के कोई भी खनिज सामग्री का परिवहन नहीं किया जाए। अवैध परिवहन से जुड़े वाहनों के चालान बनाए जाएं। ऑवरलोडिंग रोकने के लिए भी जुर्माना आरोपित किया जाए। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि अवैध खनन से प्रभावित क्षेत्रों में सख्त निगरानी रखी जाए और जरूरत पड़ने पर आकस्मिक छापेमारी की जाए। इससे अवैध खनन पर अंकुश लगाया जा सकेगा। किसी लीजधारी द्वारा लीज की शर्तों का उल्लंघन किए जाने कि जांच करें। इस प्रकार के व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी क्षेत्र में लीज के बाहर खनन करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला परिवहन अधिकारी राजीव शर्मा, खनि अभियंता सत्यनारायण कुमावत सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित

-पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच किया जाना सुनिश्चित करे-जिला कलक्टर

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक का आयोजन जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई और जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुचारू बनाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान जिला कलक्टर ने उन योजनाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा, जिनका कार्य पूरी तरह से संपन्न हो चुका है और जलापूर्ति चालू करना शेष है। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन परियोजनाओं को पूर्ण किया गया है, उनका धरातल पर भी प्रभावी रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शहर में नियमित जलापूर्ति करने के निर्देश दिए। जल स्त्रोतों की गुणवत्ता परीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ उन्होंने ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में की जा रही पेयजल आपूर्ति की नियमित जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल आपूर्ति बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वीकृत योजनाओं की कार्य गति को तेज किया जाए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में नल कनेक्शन द्वारा शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने भू आवंटन के लम्बित प्रकरणों का प्रस्ताव बनाकर भिजवाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ ने अधिकारियों को जल जीवन मिशन की प्राथमिकताओं को गंभीरता से लेने और लक्ष्य प्राप्ति के लिए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। जल पाइप लाइन बिछाने के बाद रोड रिपेयर के सभी कार्यो को पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अधीक्षण अभियंता पीएचईडी राजकिरण यादव, उप निदेशक शिक्षा विभाग महेश कुमार मंगल, पीएचईडी के खंड धौलपुर-बाड़ी के अधिशाषी अभियंता, सभी उपखंडों के सहायक अभियंता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव-2025 स्थगित

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, चित्तौड़गढ़ के माध्यम से 30 अक्टूबर से 4 नवम्बर 2025 तक प्रस्तावित राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव-2025 अब स्थगित कर दिया गया है। प्राप्त निर्देशानुसार, विगत दो दिन से जिले में लगातार जारी बारिश तथा मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी वर्षा जारी रहने के संकेत (Yellow Alert) को देखते हुए, महोत्सव स्थल पर आने वाले आमजन एवं कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। प्रतिकूल मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, नियत तिथियों में आयोजित होने वाला राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव कार्यक्रम को आगामी आदेशों तक स्थगित रखा गया है।

जल अंकेक्षण के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। आर.यू.आई.डी.पी. की सामुदायिक जागरूकता एवं सहभागिता सलाहकार इकाई ने जल संरक्षण की आवश्यकता, महत्वत्ता एवं पेयजल बचाने के उपायों की जानकारी देने के लिये विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय नई बस्ती, डूंगरपुर में जल साक्षरता कार्यक्रम के तहत जलसंरक्षण के संदेश दिये गये। जिसमे स्कूल की कक्षा 6,7 व 8 की लगभग 140 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम आरयूआईडीपी के अधीक्षण अभियन्ता हंसराम मीणा तथा सहायक अभियन्ता के मार्ग निर्देशन में किया गया। लघु फिल्म श्पानी पर हक हैं हमारा प्रर्दशित किया गया तथा इसके माध्यम से जल संरक्षण के संदेश दिया गया। कार्यक्रम में सामुदायिक जागरूकता एवं सहभागिता सलाहकार इकाई के सामुदायिक विकास विशेषज्ञ सामाजिक विकास विशेषज्ञ सुजीत शरण ने जल संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थीयों को जल का महत्व बताया, साथ ही कहा कि यदि जल का दुरूपयोग नहीं रोक पाये तो आने वाले समय में भारी परेशानियों का सामना करना पडेगा। विद्यार्थियों को पेयजल का महत्व बताते हुए इसके संरक्षण के उपाय बताये, तथा कहा कि हमने भूजल का अत्यधिक दोहन कर भूमिगत जल एवं पर्यावरण का सीधा नुकसान पहुंचाया है। विद्यार्थियों को अपने विद्यालय के साथ घर, परिवार एवं मौहल्ले में लोगो को पानी बचाने के लिये प्रेरित करने की अपील की। सहायक सामाजिक विकास विशेषज्ञ माया पाटीदार ने शहर में किये जाने वाल जलापूर्ति व सीवर कार्य की जानकारी दी। उन्होने सीवरेज से होने वाले लाभो पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सीवर कनेक्शन के बाद गन्दगी में कमी आयेगी शहर साफ व स्वच्छ रहेगा जिससे पर्यावरण सही होगा। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य विकास व्यास, मंजु रानी चौबीसा, राजकुमार परमार, ममता चौबीसा व समस्त शिक्षकों ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर खुशी जाहिर की तथा सभी विद्यार्थियों से अपील की, वे सब आज, अभी से ही पानी बचाने की शपथ लेवे तथा हम सब स्वयं जल की बचत करते हुए अन्य लोगो को भी जल बचाने के लिये प्रेरित करेगें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अमन आरा युवराज एवं अर्पीता तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

महाराणा प्रताप इंटरनेशनल एकेडमी

-सागवाड़ा में सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान के तहत 70 हेलमेट वितरित

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय, सागवाड़ा में आज एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा संचालित "सुरक्षित सड़क मार्ग अभियान (सुषमा अभियान)" के अंतर्गत छात्रों को 70 स्टीलबर्ड हेलमेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर विभाग के जितेंद्र कुमार जैन, अधिशासी अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) एवं मानवेंद्र जैन, वैज्ञानिक (गुणवत्ता नियंत्रण) ने उपस्थित छात्रों को सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्त्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि "आज के समय में हेलमेट पहनना सिर्फ एक कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों को सड़क पर वाहन चलाते समय सतर्क रहने, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने तथा मोबाइल का उपयोग नहीं करने की जानकारी दी। विद्यालय के निदेशक राजेश जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि "ऐसे अभियानों से हमारे युवाओं में जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित होती है। सचिव राकेश मेहता ने सार्वजनिक निर्माण विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग द्वारा उठाया गया यह कदम समाज में सड़क सुरक्षा को लेकर सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानाचार्य त्रिभुवन व्यास ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि "हर छात्र को सड़क सुरक्षा के दूत की भूमिका निभानी चाहिए। वहीं संरक्षक हेमराज जोशी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्कूल स्तर पर ऐसे अभियान न केवल जानकारी प्रदान करते हैं, बल्कि व्यवहारिक रूप से सुरक्षा की भावना भी जगाते हैं। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने "सुरक्षित सड़क, सुरक्षित जीवन" का संकल्प लिया और हेलमेट वितरण के बाद सभी ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प दिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल रहा तथा सभी उपस्थित अतिथियों ने इस पहल को सराहनीय और प्रेरणादायक बताया।

श्री पुष्कर मेला 2025 उद्घाटन समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

-ब्रह्मा आरती से होगा आगाज, सांस्कृतिक यात्रा बनेगी मुख्य आकर्षण

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। पुष्कर मेला 2025 के अन्तर्गत ध्वजारोहण एवं शुभारम्भ कार्यक्रम गुरूवार 30 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे पुष्कर मेला मैदान में आयोजित होगा। इस संबंध में तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार को उपखंड कार्यालय पुष्कर में अतिरिक्त जिला कलक्टर सुश्री ज्योति ककवानी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि मेले का शुभारम्भ इस वर्ष ब्रह्मा आरती के साथ होगा। इसके पश्चात पुष्कर की लोक परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करती सांस्कृतिक यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में स्थानीय कलाकार अपने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ ऊंटों पर सवार होकर आकर्षक झांकियों और लोक ध्वनियों के माध्यम से पुष्कर की सांस्कृतिक छटा बिखेरेंगे। यह यात्रा मेले के उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण रहेगी और आगंतुकों को राजस्थान की लोक संस्कृति का जीवंत अनुभव प्रदान करेगी। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले के उद्घाटन समारोह को गरिमामय, अनुशासित एवं पारंपरिक स्वरूप में सम्पन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि पुष्कर मेला प्रदेश और देश दोनों स्तरों पर सांस्कृतिक पहचान रखता है। इसके लिए प्रत्येक गतिविधि स्थानीय लोकसंस्कृति और परंपरा के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेले के उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक संध्या के आयोजन में पुष्कर की अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत नगाड़ा वादन की एक साथ 101 नगाड़ों की वल्र्ड रिकॉर्ड प्रस्तुति तथा राजस्थानी लोकनृत्य चरी नृत्य में 51 कलाकारों की सामूहिक प्रस्तुति इस बार मेले के अभिनव नवाचार के रूप में आयोजित की जाएगी।

ग्रामीण सेवा शिविर 2025- 30 व 31 अक्टूबर एवं 1 नवम्बर को जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे ग्रामीण सेवा शिविर

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार ग्रामीणों की समस्याओं का निदान गांव में ही हो, इस बात को लेकर सरकार द्वारा ग्रामीण सेवा शिविर 2025 प्रारम्भ किये गये हैं। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि जिले के विभिन्न उपखण्ड क्षेत्रों की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किये जा रहे है। जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर रहकर आमजन की समस्याओं का निदान करेंगे। जिला कलक्टर ने समस्त उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ग्रामीण सेवा शिविर को गंभीरतापूर्वक लेकर अधिकतम समस्याओं का मौके पर ही निष्पादन किया जाये।

इन ग्राम पंचायतों में होगा ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन-

उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर को उपखण्ड धौलपुर की ग्राम पंचायत ओदी के अटल सेवा केन्द्र में, दूबरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में, उपखण्ड बाड़ी की ग्राम पंचायत धनौरा के महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में, नीमखेड़ा के अटल सेवा केन्द्र में, उपखण्ड राजाखेड़ा की ग्राम पंचायत खुडिला एवं नागर के अटल सेवा केन्द्र में, उपखण्ड सैपऊ की ग्राम पंचायत बसईनवाब एवं भदियाना के अटल सेवा केन्द्र में, 31 अक्टूबर को उपखण्ड धौलपुर की ग्राम पंचायत जलालपुर एवं जसूपुरा के अटल सेवा केन्द्र में, उपखण्ड बाड़ी की ग्राम पंचायत उमरई एवं सहेड़ी के अटल सेवा केन्द्र में, उपखण्ड उपखण्ड सैपऊ की ग्राम पंचायत कैंथरी एवं कुंकरा-माकरा के अटल सेवा केन्द्र में तथा 1 नवम्बर को उपखण्ड धौलपुर की ग्राम पंचायत विन्तीपुरा एवं शाहपुरा के अटल सेवा केन्द्र में, उपखण्ड बाड़ी की ग्राम पंचायत बसईडांग के अटल सेवा केन्द्र में, कस्बा नगर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में, उपखण्ड सैपऊ की ग्राम पंचायत टहरी एवं मालौनी खुर्द के अटल सेवा केन्द्र में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों के लिए बोसिया प्रशिक्षण शिविर

-जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने बढ़ाया हौसला, बच्चों से मिलकर दी शुभकामनाएं

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। पैराबोसिया वेलफेयर सोसाइटी की ओर से रविवार से शुरू हुए तीन दिवसीय बोसिया गेम प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों में खेल के प्रति रुचि और आत्मविश्वास बढ़ाना है। इसमें बीसी-2, बीसी-3 और बीसी-4 श्रेणी के करीब 30 बच्चे हिस्सा ले रहे हैं। बोसिया एक ऐसा टारगेट गेम है, जिसमें व्हीलचेयर पर बैठे खिलाड़ी गेंद को लक्ष्य की ओर फेंकते हैं। एसकेडी विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ प्रशिक्षक बच्चों को खेल के नियम और तकनीक सिखा रहे हैं। राजस्थान पैराबोसिया सोसाइटी की अध्यक्ष नफीसा ने कहा कि आगामी दिनों में नियमित रूप से ऐसे शिविर होंगे। दूसरे दिन जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने बच्चों से बातचीत की। जिला कलेक्टर ने बच्चों का हौसला बढ़ाया तथा शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विशेष बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय प्रयास किए जा रहे है। गौरतलब है कि बीकानेर के रविंद्र बेगाराम कूकना जल्द ऑस्ट्रेलिया में होने वाले बोसिया गेम में भारत का प्रतिनिधित्व भी करेंगे। इस मौके पर बाबूलाल जुनेजा, एसकेडी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.ए. मीणा, खेल निदेशक डॉ. रविंद्र सिंह सुमल, प्रशासक संजीव शर्मा व अन्य उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से मनाया जाएगा वागड़ महोत्सव, बैठक आयोजित

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। डूंगरपुर स्थापना दिवस पर वागड़ महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया जाएगा । सफल और सुचारू आयोजन के लिए जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन जिला परिषद के ईडीपी सभागार में किया गया। बैठक में शोभायात्रा, रूट निर्धारण, दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रमुख चौराहा एवं स्थान पर रोशनी, आतिशबाजी, देव सोमनाथ एवं सागवाड़ा में सांस्कृतिक आयोजन, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, पेयजल व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था आदि के सुचारू आयोजन हेतु नोडल अधिकारी एवं विभाग नियुक्त करते हुए दायित्व का निर्धारण किया गया। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़, उपखंड अधिकारी डूंगरपुर साबरमल अबासरा सहित समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी गण मौजूद रहें।

दिशा समिति की बैठक में विभागों की प्रगति पर हुई विस्तृत समीक्षा

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। विभागीय योजनाओं की प्रगति समीक्षा को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में चूरू सांसद राहुल कस्वां और श्रीगंगानगर सांसद कुलदीप इंदौरा ने योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि कई योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर नहीं हो रहा है, जबकि उद्देश्य यह है कि हर योजना का लाभ आमजन तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे बैठकों में पूर्णतः अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित हों, क्योंकि विभागीय उदासीनता के चलते बजट लेप्स होना उचित नहीं है। सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान सांसद कस्वां ने कहा कि यातायात भार बढ़ने पर सड़कों के विस्तार हेतु समयबद्ध डीपीआर तैयार कर भेजें। उन्होंने भारतमाला परियोजना पर अवैध पार्किंग हटाने, रिंग रोड विकसित करने, ड्रेनेज सिस्टम में सुधार और डार्क स्पॉट्स को समाप्त करने के निर्देश दिए। पीएचईडी विभाग की समीक्षा में सांसदों ने पेयजल आपूर्ति योजनाओं और जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति पर असंतोष जताया। ग्रामीण ढाणियों में जल कनेक्शन की अनियमितताओं पर सुधार के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि सभी विभाग विधानसभा व संसद सत्र से पूर्व सभी योजनाओं के अपडेटेड ब्रीफ नोट्स तैयार करें।

जिला कलक्टर ने वीसी के माध्यम से की विकास अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विकास की फ्लैगशिप योजनाओं में प्रगति की समीक्षा जिला कलक्टर लोक बन्धु द्वारा मंगलवार को वीसी के माध्यम से की गई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश ने फ्लैगशिप योजनाओं में प्रगति से अवगत कराया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि स्वामित्व योजना के लक्ष्यों के अनुरूप नए पट्टे वितरित करें। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत व्यक्तिगत शौचालयों से सम्बन्धित कार्य आगामी 15 दिवस में पूर्ण कराएं। सामुदायिक शौचालयों के कार्य भी एक माह में पूर्ण होने चाहिए। इनके भुगतान तत्काल करवाने की व्यवस्था की जाए। राज्य आपदा राहत कोष के कार्यों की वित्तीय स्वीकृति जारी होते ही कार्यादेश जारी कराएं। इन कार्यों को एक माह में पूर्ण कराने का प्रयास होना चाहिए। आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत एवं रंग-रोगन के कार्य भी समय पर हो। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के प्रस्तावों के बारे में भी चर्चा की गई। बजट घोषणा के अन्तर्गत बनवाए जाने वाले ऑपन जिम के कार्य करवाएं। अटल ज्ञान केन्द्र के निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण कराएं।

18 साल बाद सलमान के साथ काम कर सकते हैं गोविंदा!

● शुरू की फिल्म बैटल ऑफ गलवां की शूटिंग

18 साल बाद 'पार्टनर' एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दरअसल, सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म में अब 'बैटल ऑफ गलवां' में गोविंदा भी नजर आएंगे।

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

सलमान ने खुद दी हिंट

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे।

यह होगी फिल्म की कहानी

इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में

आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

अभिनेत्री काशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफः लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। कशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो कशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत मैं ही करती थी और सभी को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने शीला की जवानी से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया। अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए कशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फर्न्स एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। कशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूं।

राष्ट्रवादी का टैग लगने पर क्या बोलीं यामी गौतम? फिल्म हक में अपने रोल पर भी रखी बात

फिल्म हक के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से कई सवाल किए गए। इस पर उन्होंने बेबाकी से जवाब दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है? शांत और दृढ़ विश्वास वाले किरदारों को निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री यामी गौतम, अपनी अगली बड़ी रिलीज, हक के लिए तैयार हैं। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी भी हैं। ऐतिहासिक शाहबानो मामले से प्रेरित यह फिल्म न्याय, पहचान और आस्था के विषयों पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है।

यामी से पूछा गया सवाल

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से पूछा गया कि हाल के वर्षों में उन्होंने जिस तरह की फिल्में चुनी हैं, उनके कारण उन्हें अक्सर राष्ट्रवादी कहा जाता है। इस पर उनका क्या कहना है? इस पर अभिनेत्री ने हंस कर इस लेबल को खारिज कर दिया।

राष्ट्रवादी टैग को किया खारिज

राष्ट्रवादी का टैग दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर यामी ने कहा, लेबल है, मुझे पता भी नहीं है। अगर है तो लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना। उन्होंने कहा, ये नहीं तो कुछ और लेबल, फिर कुछ और, फिर कुछ और। पहले कुछ और था। पहले कुछ अंडररेटेड लेबल था। उससे पहले कुछ और था। यह बदलता रहता है। मैं वो सब नहीं जानती हूं।

अपने किरदार पर बोलीं यामी

यामी गौतम ने बताया कि फिल्म हक उनके लिए सिर्फ एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं था। यामी ने कहा, यह विषय सार्वजनिक जीवन में रहा है। मैं हमेशा सोचती हूं कि शाजिया जैसी महिला को किस तरह की ताकत और साहस की जरूरत रही होगी।

सैफ अली खान और पुलकित सम्राट एक साथ नज़र आएंगे टिप्स फिल्म्स की नई फिल्म में

बॉलीवुड दर्शकों के लिए एक शानदार सरप्राइज़ तैयार है, क्योंकि सैफ अली खान और पुलकित सम्राट पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर नज़र आने वाले हैं। यह फिल्म स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित होगी, जो

मशहूर निर्माता रमेश तौरानी की बेटी हैं। टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली यह अनटाइटल्ड फिल्म अनुभव और युवा जोश का एक अनोखा मेल पेश करने का वादा करती है। फिल्म ने आधिकारिक रूप से 27 अक्टूबर 2025 को हुए मुहूर्त समारोह के साथ अपनी शुरुआत की, और तभी से यह प्रोजेक्ट आने वाले साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन चुका है। स्नेहा तौरणी, जिन्होंने भांगड़ा पा ले से अपना निर्देशन करियर शुरू किया था, अब इस नई फिल्म के जरिए एक बार फिर दर्शकों को एक जीवंत और एंगेजिंग सिनेमैटिक अनुभव देने जा रही हैं।सैफ अली खान, जो मेनस्ट्रीम और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच सहजता से जुड़ते रहे हैं, हाल के समय में थिएटर और ओटीटी, दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को प्रभावित कर चुके हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ उनकी मौजूदगी फिल्म को स्टार पावर और गहराई दोनों प्रदान करती है। वहीं पुलकित सम्राट, अपनी करिश्माई स्क्रीन प्रेज़ेंस और एनर्जी से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। सैफ के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को एक फ्रेश और दिलचस्प कैमेस्ट्री का अनुभव करा सकती है, जिसमें दो अलग-अलग अभिनय शैलियां मिलकर एक मनोरंजक और भावनात्मक कहानी बुनेंगी। स्नेहा तौरणी के निर्देशन और रमेश तौरणी के प्रोडक्शन के साथ, सैफ अली खान और पुलकित सम्राट की यह फिल्म 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक बनती जा रही है, जिसमें दमदार परफ़ॉर्मेंस, टैलेंटेड टीम और एक नई सिनेमैटिक विज़न का परफेक्ट संगम नजर आएगा।

दिलजीत के 'कुफर' गाने में ट्रोल होने पर मानुषी छिल्लर ने दिया करारा जवाब, बोलीं- 'मेरा नहीं तो कम से कम'

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद फिल्मों में आई अभिनेत्री मानुषी छिल्लर को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है। हालांकि, हाल ही में मानुषी सिंगर दिलजीत दोसांझ की 'औरा' एल्बम के नए गाने 'कुफर' में नजर आईं। ये गाना अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार ट्रेंड में बना हुआ है और लोगों को पसंद आ रहा है। गाने के वीडियो में मानुषी दिलजीत के साथ नजर आई हैं। दोनों की केमिस्ट्री भी फैंस को पसंद आ रही है। हालांकि, इस बीच जब

एक यूजर ने मानुषी को ट्रोल किया, तो एक्ट्रेस ने बड़ी ही शालीनता से ट्रोलर को करारा जवाब दिया। मानुषी ने एक्स पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे ट्रोलर्स को उनका जवाब माना जा रहा है। मानुषी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरा नहीं, लेकिन क्या हम उस डांसर का सम्मान नहीं कर सकते जो बस अपना काम कर रही थी।' जाहिर है कि मानुषीने उनके डांस के लिए उन्हें ट्रोल करने पर ट्रोलर्स को जवाब दिया है और डांसर का सम्मान करने की बात कही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो मानुषी छिल्लर ने साल 2022 में हिस्टोरिकल-ड्रामा 'सम्राट पृथ्वीराज' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' और 'मालिक' में नजर आई हैं। मानुषी आखिरी बार इसी साल आई जॉन अब्राहम की फिल्म 'तेहरान' में नजर आई थीं। हालांकि, मानुषी को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है। दिलजीत दोसांझ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों अपने ऑरा टूर में व्यस्त हैं।

जैकी चैन और ऋतिक रोशन की मुलाकात, कुंग फू फाइटिंग गाना किया समर्पित

बॉलीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन इन दिनों अमेरिका के बेवर्ली हिल्स में छुट्टियां मना रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अपने पसंदीदा एक्शन आइकॉन, हॉलीवुड के मशहूर स्टार जैकी चैन से मुलाकात की। ऋतिक ने इस मुलाकात का अनुभव अपने फैंस संग शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों और कैप्शन में इस मुलाकात की जानकारी दी। सोमवार को ऋतिक ने अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर जैकी चैन के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में दोनों कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते दिख रहे हैं। फोटो के बैकग्राउंड ऑडियो के तौर पर ऋतिक ने कुंग फू फाइटिंग गाना लगाया। इस गाने को ऋतिक ने जैकी चैन को उनके मार्शल आर्ट्स करियर के लिए समर्पित किया है। कैप्शन में ऋतिक ने मजाकिया अंदाज में लिखा, आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा सर, मेरी टूटी हड्डियां आपकी टूटी हड्डियों को याद करती

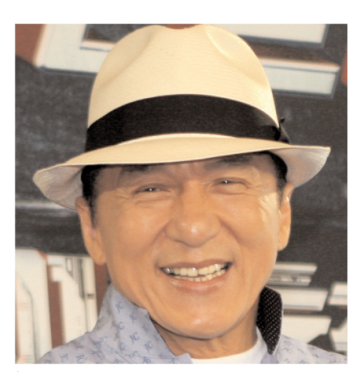

हैं।बता दें कि ऋतिक अमेरिका में अपनी गर्लफ्रेंड सबा के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। 26 अक्टूबर को उन्होंने कुछ रोमांटिक तस्वीरें साझा कीं थी, जिसमें दोनों एक साथ मौसम का लुत्फ उठाते हुए नजर आए थे। इन तस्वीरों में ऋतिक और सबा एक-दूसरे को गले लगाते हुए दिखें। दोनों ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, सर्दियों में सैर से बेहतर कुछ नहीं। ऋतिक रोशन अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चाओं में हैं। वह जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रोड्यूसर के रूप में डेब्यू करने जा रहे हैं। उनका पहला प्रोजेक्ट एक थ्रिलर शो स्टॉर्म है, जो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा और मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित होगा। इस शो के निर्माता और निर्देशक अजीतपाल सिंह हैं, जिन्होंने पहले टब्बर जैसी वेब सीरीज और फायर इन द माउंटेंस जैसी फिल्म बनाई हैं। शो की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है और फैंस को इसके लिए काफी उत्सुकता है।

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की मिर्जापुरः द फिल्म में हुई एंट्री

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की एंट्री मिर्जापुरः द फिल्म में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चौहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई। नोट में जानकारी दी गई है कि सोनल अब मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा हैं।इस नोट में लिखा है, प्रिय सोनल, हम आपको मिर्जापुर की टीम में पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं। सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं मिर्जापुरः द फिल्म में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या-क्या दिखाने वाले हैं। इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े

पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

- साभार

पद्मावत से हीरामंडी तक अपने हर किरदार से दिखाई सशक्त नारी की छवि

बॉलीवुड और टॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में कई अभिनेत्रियां हैं, लेकिन कुछ ही कलाकार ऐसे होते हैं जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ ऐतिहासिक किरदारों में अपनी पहचान भी बना पाते हैं। अदिति राव हैदरी उन्हीं में से एक हैं। अदिति ने सिर्फ फिल्मों में अपने अभिनय का जादू नहीं बिखेरा, बल्कि इतिहास से जुड़े कई किरदारों को जीवंत बनाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। चाहे वह पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा का किरदार हो या ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली की भूमिका, अदिति ने हमेशा अपने किरदारों में शाही और नाजुक अंदाज को बखूबी पेश किया है।अदिति राव हैदरी का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में हुआ था। उनका जन्म एक शाही परिवार में हुआ। वह अकबर हैदरी की परपोती होने के साथ असम के पूर्व गवर्नर मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी की पोती हैं। इसके अलावा, उनके नाना जे.रामेश्वर राव तेलंगाना के वनापर्थी पर राज किया करते थे। अदिति की मां विद्या राव एक हिंदू है और पिता एहसान हैदरी मुस्लिम हैं। यही वजह है कि वह अपने सरनेम में अपने माता और पिता दोनों का नाम लिखती हैं।

अदिति ने फिल्मी करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म प्रजापति से की थी। इसके बाद उन्होंने 2006 में हिंदी फिल्म दिल्ली-6 से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनका कैमियो रोल था, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय और चेहरे की मासूमियत से दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद अदिति ने लगातार फिल्मों में अपनी जगह बनाई और कई महत्वपूर्ण किरदार निभाए। साल 2011 में आई ये साली जिंदगी और रॉकस्टार जैसी फिल्मों ने अदिति को बॉलीवुड में जगह दिलाई। रॉकस्टार में उनके अभिनय को काफी सराहा गया, और उन्होंने अपनी अदाकारी से रणबीर कपूर के साथ शानदार कैमिस्ट्री दिखाई। इसके बाद उन्होंने फितूर, मर्डर 3 जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन दर्शकों और क्रिटिक्स ने उन्हें खास तौर पर पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा के किरदार के लिए याद किया। पद्मावत में अदिति ने रानी मेहरुन्निसा का किरदार निभाते हुए न सिर्फ शाही गरिमा को दिखाया, बल्कि अपने चेहरे के हाव-भाव और संवादों में उस समय की नाजुकता और ताकत को भी बखूबी पेश किया। इस रोल ने उन्हें इतिहास से जुड़े पात्रों में एक खास पहचान दिलाई। इसके बाद अदिति को इतिहास पर आधारित फिल्मों और वेब सीरीज में कई ऑफर मिलने लगे। 2023 में रिलीज हुई ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड में अदिति ने अनारकली का किरदार निभाया, जिसमें उन्होंने अपनी अदाकारी और शाही अंदाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। निजी जिंदगी की बात करें तो, अदिति ने 21 साल की उम्र में पहली शादी की, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चला। बाद में उन्होंने अभिनेता सिद्धार्थ के साथ शादी रचाई और अब अपनी हैप्पी मैरिड लाइफ बिता रही हैं।

इंडिया-ऑस्ट्रेलियाः वरुण-रेड्डी आउट, कुलदीप-हर्षित इन

पहले टी20 में ये हो सकती है भारत की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का आगाज 29 अक्तूबर से होने जा रहा है. अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिहाज से ये सीरीज काफी अहम मानी जा रही है. पहला मुकाबला कैनबरा में खेला जाना है. इस मुकाबले में प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी माथापच्ची देखने को मिल सकती है. भारत ने अपना पिछला टी20 मुकाबला एशिया कप 2025 फाइनल में खेला था. जहां भारत केवल एक मुख्य तेज गेंदबाज के साथ खेला था. लेकिन यह स्थिति मनुका ओवल (कैनबरा) में होने वाले पहले टी20 मैच में निश्चित रूप से बदलेगी. एक बदलाव तो तय है क्योंकि हार्दिक पंड्या चयन के लिए फिट नहीं हैं. उनका बैकअप नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल हैं, इसलिए उनकी उपलब्धता पर भी संदेह है. कैनबरा के मनुका ओवल की पिच बल्लेबाज़ों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जिसमें समान उछाल और गति होती है. इसलिए इस बार टीम को तेज़ गेंदबाज़ों पर अधिक भरोसा करना पड़ेगा. एशिया कप में भारत ने तीन स्पिनरों कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती के साथ खेला था. दरअसल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह तो तय हैं. दोनों भारत के शीर्ष टी20 गेंदबाज़ हैं. अर्शदीप ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 2022 टी20 वर्ल्ड कप में सबसे अधिक विकेट लिए थे. ऐसी परिस्थितियों में तेज़ गेंदबाज़ों को बढ़त मिलेगी. पिच को देखते हुए, शुभमन गिल और गौतम गंभीर एक अतिरिक्त तेज़ गेंदबाज़ को शामिल करना चाहेंगे. एकमात्र विकल्प हर्षित राणा हैं, जिन्होंने हालिया वनडे सीरीज़ में सर्वाधिक विकेट लिए और बल्ले से भी योगदान दिया. इसका मतलब है कि हर्षित की अहमियत बढ़ गई है.

कुलदीप या अक्षर किसे मिलेगा मौका

ग्राउंड की सीमाएं स्पिनरों के पक्ष में हैं, लेकिन सतह उनके अनुकूल नहीं होगी. यही वजह है कि अक्षर पटेल को कुलदीप और वरुण पर बढ़त मिलती है. अक्षर ऑलराउंडर हैं और मिडल ऑर्डर में रन बनाने की क्षमता रखते हैं. इस तरह दूसरे स्पिनर की जगह को लेकर असली टक्कर कुलदीप बनाम वरुण के बीच है. लेकिन इसमें हर्षित राणा का नाम भी जुड़ गया है.

भारत बनाम ऑस्ट्रेलियाः

5 बल्लेबाज, जिनके नाम टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें साल 2007 से 2024 के बीच अब तक 32 टी20 मैच खेल चुकी हैं। इस दौरान सिर्फ 3 ही बल्लेबाज 500 रन का आंकड़ा छू सके हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की इस लिस्ट में शीर्ष पर भले ही विराट कोहली मौजूद हैं, लेकिन टॉप-5 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ दो ही क्रिकेटर भारतीय हैं। आइए, इन सभी खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

विराट कोहली : रन-मशीन कोहली ने साल 2012 से 2024 के बीच 23 टी20 मुकाबलों में 49.62 की औसत के साथ 794 रन बनाए हैं। इस दौरान कोहली के बल्ले से 8 अर्धशतक निकले।

ग्लेन मैक्सवेल : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साल 2012 से 2024 के बीच भारत के विरुद्ध 22 टी20 मैच खेले, जिसकी 21 पारियों में 31.88 की औसत के साथ 574 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले।

आरोन फिंच : इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साल 2012 से 2022 के बीच भारत के खिलाफ 18 टी20 मैच खेले, जिसमें 27.77 की औसत के साथ 500 रन जुटाए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 छक्के और 62 चौके देखने को मिले। फिंच ने टीम इंडिया के विरुद्ध 2 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं।

मैथ्यू वेड : ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने भारत के विरुद्ध कुल 17 टी20 मैच खेले, जिसमें 3 अर्धशतक के साथ 488 रन बनाए। टीम इंडिया के खिलाफ 43 चौके और 20 छक्के लगाने वाले वेड का औसत 54.22 रहा है।

रोहित शर्मा : भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा ने साल 2007 से 2024 के बीच 28.47 की औसत के साथ 484 रन बनाए। इस दौरान रोहित ने 4 बार अर्धशतकीय पारियां खेलीं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी।

दोनों देशों के बीच कैनबरा में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद मेलबर्न, होबार्ट, गोल्ड कोस्ट और ब्रिस्बेन में सीरीज के शेष मुकाबलों का आयोजन होगा।

महिला विश्व कपः

स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग करेंगी शैफाली वर्मा?

● ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेइंग 11 में 2 बदलाव कर सकता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में 30 अक्टूबर को भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। लीग स्टेज में भारतीय टीम 3 मैच हारकर अंक तालिका में चौथे नंबर पर रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम एक भी मैच नहीं हारी। भारत की दिक्कतें खिलाड़ियों के चोटिल होने से और बढ़ गई है। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच में ओपनर प्रतिका रावल चोटिल होकर टूर्नामेंट में बाहर हो गईं। शैफाली वर्मा को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया। विकेटकीपर ऋचा घोष भी चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ मैच में नहीं खेली थीं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में विकेटकीपिंग के दौरान बाएं हाथ की उंगली में चोट लगी थी। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था और उमा छेत्री ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में उमा को डेब्यू का मौका मिला था। अगर ऋचा चोट से उबर जाती हैं तो भारत प्लेइंग 11 में दो बदलाव कर सकता है।

शैफाली की राह आसान नहीं

भारत की प्लेइंग 11 में प्रतिका रावल की जगह शैफाली वर्मा और उमा छेत्री की जगह ऋचा घोष को मौका मिल सकता है। इसके अलावा बदलाव के कोई और आसार नहीं दिख रहे हैं। प्रतिका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा झटका है। वह टूर्नामेंट में स्मृति मंधाना के बाद दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। शैफाली बेखौफ बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, लेकिन वह एक साल बाद भारत के लिए वनडे खेलती दिखेंगी।

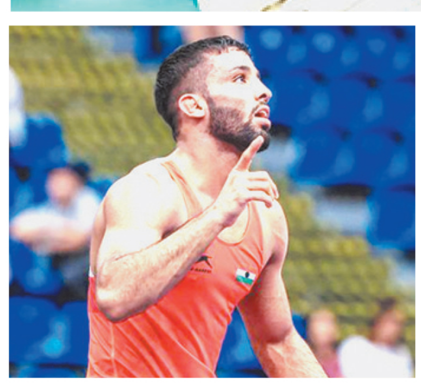

वर्ल्ड चैम्पियनशिपः भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण पदक, उज्बेकिस्तान के जालोलोव को हराया

नोवी साद, एजेंसी। भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों की फ्री स्टाइल 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सुजीत ने खिताबी मुकाबले में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जालोलोव को एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराया। दोनों पहलवानों के बीच यह मुकाबला चार मिनट 54 सेकेंड तक चला जिसके बाद रेफरी ने भारतीय पहलवान को विजेता घोषित किया। सुजीत ने इस तरह उज्बेकिस्तान के पहलवान पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। इससे पहले सुजीत ने कभी विश्व खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्होंने 2022 और 2025 में अंडर-23 एशिया खिताब और 2022 में अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सुजीत ने पिछले साल इसी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, लेकिन इस बार वह पदक का रंग बदलने में सफल रहे।

फुटबॉलः

नेपाल ने भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के अपने दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया।

करिश्मा का सीनियर राष्ट्रीय टीम की ओर से यह पहला गोल है। सबित्रा ने दूसरे ही मिनट में नेपाल को बढ़त दिला दी जब उन्होंने भारतीय गोलकीपर इलांगबाम पेनथोई चानू को छकाकर गोल किया। नेपाल ने पहले हाफ में इस बढ़त को बरकरार रखा और मध्यांतर तक टीम 1-0 से आगे थी। सबित्रा ने 61वें मिनट में एक और गोल दागकर नेपाल की बढ़त 2-0 की। करिश्मा ने फेनजोबाम निर्मला देवी की फ्री किक पर गोल दागकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का सख्त संदेश

40 की उम्र में भी रोहित-विराट वर्ल्ड कप के लिए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चयनकर्ताओं को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के चयन में उम्र को लेकर कोई बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। श्रीकांत का मानना है कि दोनों दिग्गज 2027 वनडे विश्व कप तक टीम इंडिया की रीढ़ बने रह सकते हैं। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, रोहित शर्मा को 2027 वर्ल्ड कप में जरूर खेलना चाहिए।

वह के करीब हैं या अब उम्र हो रही है, ऐसी बातें बंद होनी चाहिए। वह फिट हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और फील्डिंग में भी शानदार हैं। सिडनी में उनकी बल्लेबाज़ी देखकर लगा जैसे 2019 वर्ल्ड कप की झलक दोबारा दिख रही हो। उन्होंने आगे कहा, विराट कोहली तो अपनी फिटनेस के दम पर 45 साल तक खेल सकते हैं। उनकी फिटनेस अब भी किसी 25 वर्षीय खिलाड़ी जैसी है। रोहित और विराट दोनों को डराने या असुरक्षित महसूस कराने के बजाय चयनकर्ताओं को उन्हें भरोसा देना चाहिए कि वे टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं।

श्रीकांत ने चयन समिति को सलाह देते हुए कहा, उन्हें कहना चाहिए – 'आप दोनों टीम के केंद्र हैं, बस फिट रहो और हमें 2027 वर्ल्ड कप जिताओ।' डर या दबाव डालने की जरूरत नहीं है। हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा ने तीन मैचों में 202 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। उनकी 121* रनों की पारी भारत की 9 विकेट से जीत में निर्णायक साबित हुई थी। अब टीम इंडिया 30 नवंबर से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू वनडे सीरीज में खेलेगी, जहां रोहित और विराट अपने फॉर्म को जारी रखने की कोशिश करेंगे।

यूरोपीय शतरंज क्लब कप में दिव्या और गुकेश नें जीते दोहेरे स्वर्ण पदक

रोड्ज , ग्रीस (एजेंसी)। में आयोजित 40वें यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2025? में भारतीय खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ रिकॉर्ड कायम किया। सुपरचेस? (रोमानिया) क्लब ने ओपन वर्ग में 14 में से 14 अंकों के साथ खिताब पर कब्जा जमाया। इस टीम की जीत में विश्व चैंपियन डी. गुकेश का प्रदर्शन निर्णायक रहा, जिन्होंने पहले बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीता। वहीं, नॉर्थ मैसेडोनिया की टीम अल्कालॉइड जिसमें भारत से अर्जुन एरीगैसी , अरविंद चितांबरम और अभिमन्यु पौराणिक थे ने 12 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और डिफेंडिंग चैंपियन नोवी बोर (चेक गणराज्य) जिसमें भारत से विदित गुजराती और पेंटला हरीकृष्णा थे ने उतने ही अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में सर्कल डी शे मोंटे कार्लो ? ने 13 में से 13 अंक अर्जित कर खिताब जीत लिया। भारत की ग्रांड मास्टर दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में महिला विश्व कप 2025? जीता था, इस क्लब के लिए खेलते हुए अपने बोर्ड पर व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने में सफल रहीं। मौजूदा चैंपियन ताइफुन एसके ल्युब्लियाना तीसरे स्थान पर रही, जबकि सर्बिया की सर्मियम स्रेम्स्का मित्रोविका ने दूसरा स्थान हासिल किया। ओपन वर्ग में भारत के चार खिलाड़ियों ने अपने बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीते - विश्व चैंपियन डी. गुकेश (सुपरचेस), निहाल सारिन (बेयगन पेंडिक), अभिमन्यु पुराणिक (अल्कालॉइड) और दिव्या देशमुख (मोंटे-कार्लो)। वहीं, अरविंद चितांबरम को अपने बोर्ड पर कांस्य पदक मिला। इस बार का आयोजन भारतीय खिलाड़ियों के लिए सबसे सफल साबित हुआ। पहली बार, ओपन और महिला दोनों वर्गों की विजेता टीमों में भारतीय ग्रैंडमास्टर शामिल रहे। ओपन वर्ग की शीर्ष तीनों टीमों में भी कम से कम एक भारतीय खिलाड़ी खेला। कुल सात राउंड के इस स्विस सिस्टम टूर्नामेंट में यूरोप की 100 से अधिक शीर्ष टीमें और लगभग 800 खिलाड़ी शामिल हुए।

रंजी ट्रॉफी 2025

उमरान मलिक को भूल जाइए! अब आ गया जम्मू का नया तूफान

10 विकेट लेकर आकिब नबी ने मचाई सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने राजस्थान के खिलाफ 10 विकेट लेकर सबको चौंका दिया. उमरान मलिक के बाद अब वही बन गए हैं टीम के नए स्पीड स्टार. जम्मू-कश्मीर की टीम ने रणजी ट्रॉफी 2025 के दूसरे राउंड में राजस्थान को एक पारी और 141 रन से करारी शिकस्त दी है. श्रीनगर के मैदान पर खेला गया यह मुकाबला पूरी तरह से एक खिलाड़ी के नाम रहा, तेज गेंदबाज आकिब. उन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए पूरे मैच में 10 विकेट झटके और राजस्थान के बल्लेबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर ला दिया.

आकिब नबी ने अकेले पलट दिया मैचः पहली पारी में आकिब ने तीन विकेट लेकर राजस्थान को बड़ा स्कोर बनाने से रोका. उसके बाद दूसरी पारी में तो उन्होंने कहर ही बरपा दिया. उन्होंने 7 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा और राजस्थान की पूरी टीम सिर्फ 89 रन पर ढेर हो गई. अपनी घातक गेंदबाजी के दम पर आकिब नबी ने प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी अपने नाम किया.

उमरान मलिक नहीं, अब आकिब नबी की चर्चाः कुछ साल पहले जब भी जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट की बात होती थी, तो सबसे पहले उमरान मलिक का नाम याद आता था. उमरान भारत के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक थे, लेकिन हाल के महीनों में उमरान मलिक की लय गुम हो गई है. वे राजस्थान के खिलाफ इस मैच में भी खेले, लेकिन एक भी विकेट नहीं ले पाए. वहीं, दूसरी ओर आकिब नबी ने अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. अब पूरा क्रिकेट जगत जम्मू-कश्मीर के इस नए ÷स्पीड स्टार की तारीफ कर रहा है.

कौन हैं आकिब नबी?: 28 साल के आकिब नबी जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला जिले से आते हैं.

उनके पिता एक स्कूल टीचर हैं. अकीब पढ़ाई के मामले में भी काफी अच्छे हैं. एक टैलेंट हंट के दौरान उनकी प्रतिभा को पहचाना गया और उसके बाद उन्होंने क्रिकेट को गंभीरता से लेना शुरू किया. दिलचस्प बात यह है कि बारामुल्ला में उस वक्त कोई औपचारिक कोचिंग सुविधा नहीं थी, इसलिए आकिब ने खुद को बेहतर बनाने के लिए डेल स्टेन के वीडियो देखकर सीखना शुरू किया. वे स्टेन को अपना वर्चुअल कोच मानते हैं.

करियर और उपलब्धियांः अब तक आकिब नबी 33 प्रथम श्रेणी, 29 लिस्ट ए, और 27 टी20 मैच खेल चुके हैं. उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 113 विकेट, लिस्ट ए में 42 विकेट, और टी20 में 28 विकेट अपने नाम किए हैं.

ट्रंप ने जापान की नई प्रधानमंत्री की प्रशंसा की अमेरिका को सबसे मजबूत सहयोगी बताया

» तोक्यो, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार से अपनी व्यस्त एशिया यात्रा की शुरुआत में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मुलाकात की और दोनों देशों को सबसे मजबूत स्तर पर सहयोगी करार दिया। वह जापानी प्रधानमंत्री को अमेरिकी विमानवाहक पोत पर भी ले गए जहां उन्होंने अमेरिकी सैनिकों से बातचीत की। ट्रंप एशिया में अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में शामिल जापान की यात्रा कर रहे हैं, फिर भी उनकी यात्रा के दौरान कई बातों को लेकर अनिश्चितता की स्थिति है। कुछ ही दिन पहले देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची को अपने देश के आर्थिक हितों की रक्षा करते हुए ट्रंप के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने होंगे।

ट्रंप एक व्यापार समझौते के तहत 550 अरब अमेरिकी डॉलर का जापानी निवेश हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रपं ने मंगलवार को ताकाइची मुलाकात की और उनसे हाथ मिलाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ताकाइची की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बहुत मजबूती से हाथ मिलाया। ताकाइची ने बताया कि जापान अगले साल अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वाशिंगटन को चेरी के 250 पेड़ देगा और चार जुलाई के इस समारोह के लिए अकिता प्रांत से आतिशबाजी भी करेगा। उन्होंने अपनी शुरुआती टिप्पणियों में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री और अपने गुरु शिंजो आबे का जिक्र किया जिन्होंने ट्रंप के साथ अच्छे रिश्ते बनाए थे। ताकाइची ने कहा, दरअसल (पूर्व) प्रधानमंत्री आबे मुझे आपकी बेहतरीन कूटनीति के बारे में अक्सर बताते थे। ट्रंप ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भूमिका को बड़ी बात बताया और जापान के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। ट्रंप ने कहा, हम जापान की मदद के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। हम सबसे मजबूत स्तर पर सहयोगी हैं। दोनों नेताओं ने अपने राष्ट्रों के गठबंधन के स्वर्णिम युग के कार्यान्वयन के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद ट्रंप और ताकाइची ने एक अन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ मृदाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पत्रकारों को बताया कि ताकाइची ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करेंगी। दोनों नेताओं ने उन लोगों से भी मुलाकात की जिनके परिवार के सदस्यों को उत्तर कोरिया ने अगवा कर लिया था।ट्रंप ने एशिया के प्रति अपनी विदेश नीति को शुल्फ और व्यापार के इर्द-गिर्द केंद्रित रखा है। उन्होंने तोक्यो के निकट अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर खड़े विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन पर भी भाषण दिया। राष्ट्रपति अपने साथ ताकाइची को भी लाए थे और उन्होंने भी भाषण दिया। ट्रंप ने कहा कि ताकाइची ने उन्हें बताया था कि टोयोटा अमेरिका में ऑटो संयंत्रों में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। ट्रंप सोमवार को तोक्यो पहुंचे थे जहां उन्होंने औपचारिक यात्रा के तहत सम्राट से मुलाकात की। इससे पहले वह मलेशिया के कुआलालंपुर में थे, जहां उन्होंने दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

जापानी प्रधानमंत्री ने नोबेल पुरस्कार के लिए ट्रंप को नामित करने की बात कही

वाशिंगटन, भाषा। व्हाइट हाउस का कहना है कि जापान की नई प्रधानमंत्री सनाई ताकाइची ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बताया है कि वह उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर रही हैं। ट्रंप को प्रभावित करने की चाहत रखने वाले विदेशी नेताओं के बीच ऐसा करना एक आम बात हो गई है, और हाल के महीनों में कई नेताओं ने उनके नामांकन का समर्थन किया है - या कम से कम ऐसा करने का वादा किया है। ट्रंप की इस समय जारी एशिया यात्रा में सोमवार को कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने भी उन्हें नामांकित किया। राष्ट्रपति ट्रंप को इस साल नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नहीं चुना गया। लेकिन उन्होंने कहा कि पुरस्कार समिति ने अपना फैसला उनके द्वारा गाजा में इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम कराने में मदद करने से पहले ही ले लिया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को अपनी एशिया यात्रा के सबसे व्यस्त दिनों में से एक की शुरुआत जापान की प्रधानमंत्री से मुलाकात के साथ की। बाद में उनकी एक विमानवाहक पोत पर सवार अमेरिकी सैनिकों से बात करने और उद्यमियों से मुलाकात की योजना है।

प्राकृतिक आपदा

पश्चिमी तुर्किए में 6.1 तीव्रता का भूकंप, इमारतें ढहीं

» अंकारा, भाषा।

पश्चिमी तुर्किए में सोमवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आने से कम से कम तीन इमारतें ढह गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जो इमारतें ढही हैं, वे पूर्व में आए एक भूकंप के कारण पहले ही क्षतिग्रस्त हो गई थीं। उन्होंने बताया कि इस दौरान किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई खबर नहीं है। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एएफएडी) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात 10 बजकर 48 मिनट पर आए 6.1 तीव्रता के इस भूकंप का केंद्र बालिकेसिर प्रांत के सिंदिरगी शहर में जमीन से 5.99 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद आए कई झटके इस्तांबुल और आसपास के बर्सा, मनीसा और इजमिर प्रांतों में महसूस किए गए। देश के गृह मंत्री अली एरलिकाया ने बताया कि सिंदिरगी में कम से कम तीन खाली इमारतें और दो मंजिला एक दुकान ढह गई। ये इमारतें पहले आए भूकंप में क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं।

सिंदिरगी के जिला प्रशासक डोगुकन कोयुनकू ने सरकारी अनादोलु एजेंसी से कहा, किसी की मौत होने की फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है लेकिन हम अपना आकलन जारी रखे हुए हैं। अगस्त में सिंदिरगी में भी 6.1 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और दर्जनों अन्य लोग घायल हो गए थे। तब से बालिकेसिर के आसपास के क्षेत्र में कम तीव्रता वाले भूकंप आते रहे हैं। तुर्किए में 2023 में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप के कारण 53,000 लोगों की मौत हो गई थी और 11 दक्षिणी एवं दक्षिण-पूर्वी प्रांतों में लाखों इमारतें नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गई थी। पड़ोसी देश सीरिया के उत्तरी हिस्सों में भी 6,000 लोग मारे गए थे।

पूर्वी नेपाल में आया हल्का भूकंप, किसी तरह के नुकसान की नहीं मिली खबर

काठमांडू, भाषा। पूर्वी नेपाल के कोशी प्रांत के संखुवासभा जिले में मंगलवार को 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि इससे किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार भूकंप काठमांडू से 225 किलोमीटर पूर्व में तिब्बत सीमा के पास किमाथांगका क्षेत्र के आसपास सुबह 7:32 बजे दर्ज किया गया। भूकंप पड़ोसी तापलेजंग, भोजपुर और सोलुखुम्बु जिलों में भी महसूस किया गया। हालांकि, भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। नेपाल सबसे सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों (भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5) में से एक में स्थित है, जो इसे भूकंपों के लिए बेहद संवेदनशील बनाता है।

केन्या के तटीय क्षेत्र क्वाले में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 12 लोगों के मारे जाने की आशंका

» नैरोबी, भाषा।

केन्या के तटीय क्षेत्र क्वाले में मंगलवार तड़के एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 12 लोगों के मारे जाने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विमान मसाई मारा राष्ट्रीय अभयारण्य जाते समय हादसे का शिकार हुआ। यह अभयारण्य एक अंतरराष्ट्रीय लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना डायनी हवाई पट्टी से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी और जंगली इलाके में हुई। क्वाले काउंटी के आयुक्त स्टीफन ओरिंडे ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि दुर्घटनास्थल पर तलाश एवं बचाव अभियान जारी है और पर्यटकों की राष्ट्रीयता की पुष्टि बाद में की जाएगी। केन्या के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने कहा कि विमान में 12 लोग सवार थे और अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।

यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की संख्या का स्पष्ट विवरण अभी नहीं मिल पाया है। अधिकारियों ने बताया कि उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिससे

घटनास्थल पर जला हुआ मलबा रह गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने एपी को बताया कि उन्होंने एक तेज धमाका सुना और घटनास्थल पर पहुंचे तो उन्हें मानव अवशेष दिखे जिन्हें पहचाना नहीं जा सकता था। एयरलाइन (मोम्बासा एयर सफारी) ने एपी को बताया कि वह नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के साथ सहयोग कर रही है और दुर्घटना की जानकारी प्राधिकरण के माध्यम से साझा की जाएगी। मसाई मारा राष्ट्रीय अभयारण्य एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है और यहां तंजानिया के सेरेन्गेटी से हर साल वाइल्डबीस्ट प्रवास के लिए आते हैं।

चीन, आसियान ने विस्तारित मुक्त व्यापार समझौते पर किए हस्ताक्षर

कुआलालंपुर, भाषा। चीन ने दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के साथ मुक्त व्यापार समझौते के एक विस्तारित संस्करण पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिका की ओर से बढ़ते संरक्षणवाद के बीच चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने इस क्षेत्र के साथ अपने देश के घनिष्ठ संबंधों पर जोर दिया है। ली कियांग ने इस विस्तारित संस्करण पर हस्ताक्षर करने के बाद आसियान-चीन शिखर सम्मेलन में कहा, एकता में ही शक्ति है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निकट सहयोग वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को दूर करने में मदद कर सकता है। आसियान-चीन मुक्त व्यापार क्षेत्र 3.0 पर हस्ताक्षर वार्षिक आसियान शिखर सम्मेलन और संबंधित बैठकों के अंतिम दिन हुए। इस अवसर पर ली कियांग और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम भी उपस्थित रहे। इब्राहिम इस वर्ष आसियान के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह लंबे समय से जारी समझौते का तीसरा संस्करण है। इस पर पहली बार 2002 में हस्ताक्षर किए गए थे और यह 2010 में लागू हुआ था। मुक्त व्यापार क्षेत्र के दायरे में दो अरब से अधिक लोगों के संयुक्त बाजार आते हैं और यह वस्तुओं पर शुल्क कम करता है। साथ ही सेवाओं और निवेश के प्रवाह को बढ़ावा देता है। दोतरफा व्यापार 2010 में 235.5 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर पिछले वर्ष लगभग 1000 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। दक्षिण-पूर्व एशियाई राजनीतिक विश्लेषक ब्रिजेट वेल्श ने कहा कि समझौते के इस नए संस्करण से दोनों पक्षों को, खासकर आपूर्ति श्रृंखलाओं एवं स्थिरता के क्षेत्रों में लाभ होगा। उन्होंने कहा, यह वैश्विक वास्तविकता को भी दर्शाता है कि गैर-अमेरिकी देश अपनी समृद्धि के लिए व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए एक साथ आ रहे हैं.. हालांकि अमेरिका के साथ पुनः सहयोग स्थापित करने की कोशिश जारी है। चीन और अमेरिका के बीच गहराते व्यापार संघर्ष की संभावना से दुनिया भर में आर्थिक वृद्धि के कमजोर होने का जोखिम बढ़ गया है।

अमेजन 14,000 कॉरपोरेट नौकरियों में कटौती करेगी

» सिएटल (अमेरिका), भाषा।

ऑनलाइन खुदरा कंपनी अमेजन कृत्रिम मेधा (एआई) पर खर्च बढ़ाने के कारण करीब 14,000 कॉरपोरेट नौकरियों में कटौती करेगी। अमेजन में पीपल एक्सपीरियंस एंड टेक्नोलॉजी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बेथ गैलेटी ने मंगलवार को कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा, यह छंटनी नौकरशाही को कम करने एवं संसाधनों को स्थानांतरित करने के माध्यम से कामकाज को और भी मजबूत करने की दिशा में कदम ह

ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम अपने सबसे बड़े दांव पर निवेश कर रहे हैं जो हमारे ग्राहकों की वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों के लिए सबसे अधिक मायने रखता है। इस पत्र में पिछले साल मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी द्वारा अमेजन कर्मचारियों को लिखा गया एक ज्ञापन भी शामिल था।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय नागरिक पर उड़ान में दो किशोरों पर चाकू से वार करने का आरोप मामला दर्ज

» न्यूयॉर्क, भाषा।

शिकागो से जर्मनी जा रही एक उड़ान में 28 वर्षीय एक भारतीय ने कांटे वाले चम्मच से दो किशोरों पर कथित तौर पर वार किया और एक सह-यात्री को थप्पड़ मारा। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मैसाचुसेट्स जिला के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह घटना शनिवार को लुफ्थांसा की एक उड़ान में हुई, जिसे घटना के बाद बोस्टन लोगान अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा ले जाना पड़ा। घटना के सिलसिले में दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, प्रणीत कुमार उसिरिपल्ली ने 17 वर्षीय एक किशोर यात्री के कंधे पर धातु के कांटा (फोर्क) से वार किया तथा फिर 17 वर्षीय एक और यात्री के सिर के पिछले हिस्से पर उसी चम्मच से वार किया, जिससे उसके सिर में चोट आई।

उसिरिपल्ली पर, अमेरिका के विशेष हवाई क्षेत्राधिकार में विमान यात्रा करते समय एक खतरनाक हथियार के जरिए जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के इरादे से हमला करने का आरोप लगाया गया है। उसे 25 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था और बाद में बोस्टन में संघीय अदालत में पेश किया जाएगा। दोषी करार दिए जाने पर उसे 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है और 2,50,000 अमेरिकी डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। शिकायत के अनुसार, यह कथित हमला विमान में भोजन परोसे जाने के बाद हुआ था। शिकायत के मुताबिक, जब उसिरिपल्ली को काबू करने की कोशिश की गई, तो उसने अपनी अंगुलियों से इशारा करते हुए ऐसा प्रदर्शित किया कि वह खुद को गोली मार रहा है। इसके बाद, उसने एक महिला यात्री को थप्पड़ मारा और एक चालक दल सदस्य को भी थप्पड़ मारने की कोशिश की।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पार तनाव को सुलझाने के लिए तुर्किए में वार्ता जारी

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान और पड़ोसी अफगानिस्तान के बीच सीमा पार सैन्य और अन्य मुद्दों पर अपने विवाद को सुलझाने के लिए तुर्किए में वार्ता अब भी जारी है लेकिन वे अभी तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं। वार्ता शनिवार को शुरू हुई और सोमवार तक जारी रही, लेकिन कोई अंतिम समझौता नहीं हो सका। अधिकारियों के हवाले से डॉन अखबार ने खबर दी कि अंतिम समझौता अभी नहीं हुआ है। बंद कमरे में हुई बातचीत से परिचित सूत्रों ने बताया कि हालांकि दोनों पक्षों के बीच अधिकांश बिंदुओं पर आपसी सहमति बन गई है लेकिन अफगान क्षेत्र से सक्रिय आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस कार्वाई मुख्य मुद्दा बना हुआ है। अखबार ने एक सूत्र के हवाले से कहा, हमें उम्मीद थी कि हम जल्द ही अफगानिस्तान के साथ एक पारस्परिक दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर सकेंगे।

जिसके बाद एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा लेकिन यह अब भी हमारी पहुंच से बाहर है। सोमवार की सुबह वार्ता काफी सकारात्मक रही। इसमें भाग लेने वाले अधिकारियों ने दोनों प्रतिनिधिमंडलों की ओर से उत्साहजनक प्रगति और गंभीर भागीदारी का जिक्र किया। जैसे-जैसे वक्त आगे बढ़ा और बातचीत शाम तक जारी रही तो उम्मीद की रोशनी फीकी पड़ती गई। एक सूत्र ने कहा, यह एक मुश्किल दौर है। अखबार के अनुसार, रात होते-होते ऐसा लगने लगा कि वार्ता में एक बार फिर से व्यवधान पैदा हो गया है। सूत्रों के अनुसार, अफगान तालिबान प्रतिनिधिमंडल ने लिखित रूप में कुछ भी देने से इनकार कर दिया, विशेष रूप से प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को समर्थन न देने के लिए गारंटी प्रदान करने के मुद्दे पर। प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने कहा, अफगान पक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि तनाव से किसी को कोई फ़ायदा नहीं है। हमें उम्मीद है कि इस वार्ता का सकारात्मक परिणाम निकलेगा। ऐसी जानकारी है कि तुर्किए और कतर के मध्यस्थों ने भी ऐसे ही विचार साझा किए और संपर्क बनाए रखने तथा प्रक्रिया को बाधित होने से रोकने के महत्व पर जोर दिया। लंबे समय से जारी गतिरोध के बावजूद राजनयिक सूत्रों ने सोमवार के सत्र को महत्वपूर्ण बताया। एक मध्यस्थ ने कहा, भले ही वार्ता में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं हुई लेकिन दोनों पक्षों का लगातार तीन दिन तक बातचीत में शामिल रहना अपने आप में महत्वपूर्ण है। यह दिखाता है कि कोई भी पक्ष वार्ता प्रक्रिया को टूटने नहीं देना चाहता। अखबार के अनुसार, सोमवार देर शाम तक इस्तांबुल में वार्ताकार यह विचार कर रहे थे कि क्या चर्चाओं को चौथे दिन तक बढ़ाया जाए। इससे पहले, इस महीने की शुरुआत में हुई झड़पों में कई सैनिकों, आम नागरिकों और आतंकवादियों की मौत हो गई थी, जिससे युद्ध जैसी स्थिति बन गई थी। हालांकि, कतर और तुर्किए की मध्यस्थता में 19 अक्टूबर को हुई बातचीत के बाद अस्थाई रूप से शांति बहाल हो गई थी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को चेतावनी दी थी कि अगर ये वार्ताएं विफल रहीं, तो पाकिस्तान को अफगान तालिबान के साथ पूर्ण युद्ध का सामना करना पड़ सकता है।

पाकिस्तानः बलूचिस्तान प्रांत में पुलिस और अर्धसैनिक बलों पर हमला, एक सुरक्षाकर्मी की मौत

कराची, भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के भाग कस्बे में आतंकवादियों के हमले में पुलिस के एक अधिकारी की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। आतंकियों ने एक लेवी स्टेशन और अन्य सरकारी इमारतों में आग भी लगा दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि सोमवार रात की घटना के दौरान भागने की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को मार गिराया गया जिनमें से एक का शव आतंकवाद रोधी विभाग के पास है जबकि दूसरे को भागते हुए आतंकवादी अपने साथ ले गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मजूर रहमान ने बताया कि करीब 50 हथियारबंद लोग मोटरसाइकिलों पर सवार होकर कच्ची जिले के भाग में पहुंचे और सबसे पहले लेवी पिकअप ट्रक, थाने और लेवी स्टेशन पर हमला किया। लेवी प्रांतीय अर्धसैनिक बल हैं। हथियारबंद लोगों ने लेवी कर्मियों को बंधक बना लिया और थाने पर गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि इलाके में तैनात पुलिस ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद मुठभेड़ हुई। एसएसपी ने बताया कि भाग थाना प्रभारी लुटाफ खोसा की मौत हो गई जबकि दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हथियारबंद ये लोग जेल में बंद छह विचाराधीन कैदियों को छुड़ाने आए थे और अन्य सरकारी इमारतों में आग लगाने के बाद उन्हें अपने साथ ले गए। एसएसपी ने बताया कि थाना पूरी तरह से जलकर खाक हो गया और एक बैंक की इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गई। आतंकवादियों ने इससे पहले सोमवार को केच ज़िले के उपायुक्त के काफ़िले पर सड़क किनारे बम लगाकर हमला किया था। हालांकि वे बाल-बाल बच गए, लेकिन इस विस्फोट में नौ सुरक्षा अधिकारी और एक नागरिक घायल हो गए थे।

अमेरिकी कांग्रेस पर शटडाउन खत्म करने का दबाव बढ़ा

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका में संघीय सरकार के दूसरे सबसे लंबे शटडाउन को समाप्त करने का दबाव अब बढ़ता जा रहा है क्योंकि लाखों अमेरिकी खाद्य सहायता खोने, सरकारी कर्मचारियों को वेतन न मिलने और हवाई अड्डों पर बढ़ती देरी जैसी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। देश के सबसे बड़े संघीय कर्मचारी संघ अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज के अध्यक्ष एवरेट केली ने कांग्रेस से तुरंत वित्त पोषण विधेयक पारित करने की अपील की ताकि कर्मचारियों को पूरा वेतन दिया जा सके। उन्होंने कहा, अब साफ-सुथरा प्रस्ताव पारित कर इस शटडाउन को खत्म किया जाए, आधे-अधूरे कदम नहीं चलेंगे।

बहरहाल, डेमोक्रेटिक सांसद अभी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं, खासकर वे जिनके राज्यों में अधिक सरकारी कर्मचारी हैं। वर्जीनिया के सीनेटर टिम केन ने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस से कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी रोकने की प्रतिबद्धता चाहते हैं। डेमोक्रेट्स यह भी चाहते हैं कि स्वास्थ्य बीमा (एफोर्डेबल केयर एक्ट) के तहत मिलने वाली सब्सिडी बढ़ाई जाए।

गाजा में अब भी 12 और शवों को बरामद करके सौंपा जाना बाकी

हमास ने गाजा में एक और बंधक के अवशेष रेड क्रॉस को सौंपे : इजराइल

» यरूशलम, भाषा।

हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को एक और बंधक के अवशेष सौंप दिए हैं। इजराइल की सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। युद्धविराम समझौता 10 अक्टूबर को लागू होने के बाद से 15 बंधकों के अवशेष इजराइल को लौटा दिए गए हैं। इजराइल को हाल में सौंपे गए शव के बाद गाजा में अब भी 12 और शवों को बरामद करके सौंपा जाना बाकी है। इससे पहले, इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने हंगरी में पत्रकारों से कहा कि इजराइल तुर्किए के सैनिकों को उस अंतरराष्ट्रीय बल में शामिल होने की अनुमति नहीं देगा।

जिसके गठन का प्रस्ताव अमेरिका ने गाजा में युद्ध विराम समझौते की निगरानी के लिए रखा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में युद्ध विराम की निगरानी के लिए 20 सूत्री समझौते के तहत एक बल के गठन की बात कही थी लेकिन इसमें यह उल्लेख नहीं किया गया है कि कौन से देश सैनिक उपलब्ध कराएंगे। इसमें कहा गया है कि अमेरिका गाजा में तैनात करने के लिए अरब और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर एक अस्थाई अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल का गठन करेगा। यह बल फलस्तीनी पुलिस बलों को प्रशिक्षण एवं सहायता प्रदान करेगा और जॉर्डन एवं मिस्र से परामर्श करेगा जिनके पास इस क्षेत्र में व्यापक अनुभव है।

हमास द्वारा लौटाए गए बंधक के अवशेष गाजा में पहले ही बरामद हो चुके बंधक के अंग :नेतन्याहू

तेल अवीव, भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि हमास द्वारा रातोंरात लौटाए गए एक बंधक के अवशेष, लगभग दो साल पहले इजराइली सैनिकों द्वारा गाजा में बरामद किए गए एक बंधक के शरीर के अंग हैं। इजराइली सेना ने गाजा में दो साल के इजराइल-हमास युद्ध के दौरान लगभग 51 बंधकों के शव बरामद किए। नेतन्याहू ने शरीर के अंगों की वापसी को हमास द्वारा अमेरिका की मध्यस्थता वाले संघर्ष विराम समझौते का स्पष्ट उल्लंघन बताया। गाजा में अब भी 13 बंधकों के शव हैं, और उन अवशेषों की धीमी बरामदगी युद्धविराम के अगले चरणों को लागू करने में चुनौती पेश कर रही है हमास ने कहा है कि वह गाजा में भारी तबाही के बीच शवों का पता लगाने के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि इजराइल ने चरमपंथी समूह पर जानबूझकर शवों को लौटाने में देरी करने का आरोप लगाया है।

उत्तर कोरियाई विदेश मंत्री ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की

» मॉस्को, भाषा।

उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चो सोन हुई ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। यह बैठक दोनों देशों के नेताओं के पिछले महीने हुए शिखर सम्मेलन के बाद हुई। दोनों देशों के बीच मजबूत होते रिश्तों का संकेत ऐसे समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एशिया की यात्रा पर हैं। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया के अनुसार, अपने रूसी समकक्ष से अलग बैठक में विदेश मंत्री चो सोन हुई ने यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को उत्तर कोरिया के अटूट समर्थन की पुष्टि की। पिछले कुछ महीनों में उत्तर कोरिया ने रूस को हजारों सैनिक और बड़ी मात्रा में सैन्य उपकरण भेजे हैं, ताकि वह युद्ध में उसकी मदद कर सके। यह बढ़ती साझेदारी उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की आक्रामक विदेश नीति को और बल दे रही है।

किम अमेरिका नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाने और अंतरराष्ट्रीय अलगाव से निकलने की कोशिश कर रहे हैं। पुतिन और किम की मुलाकात सितंबर में बीजिंग में हुई थी, जहां दोनों नेताओं ने द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक विशाल सैन्य परेड में हिस्सा लिया था।

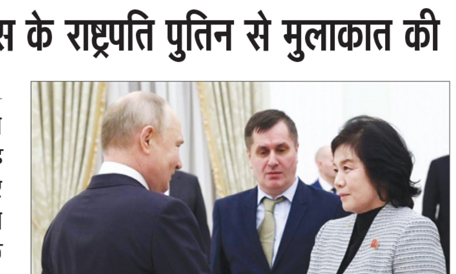

सोमवार को चो सोन हुई से मुलाकात के दौरान पुतिन ने कहा कि वह किम जोंग उन के लिए अपनी शुभकामनाएं भेजना चाहते हैं और उन्होंने याद किया कि उनके बीच पिछली मुलाकात बहुत गर्मजोशी भरी रही थी। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय क्रेमलिन में पुतिन से मिलने से पहले चो ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी बातचीत की। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि रूसी अधिकारियों ने बैठक में प्योंगयांग के संप्रभु अधिकारों और सुरक्षा हितों की रक्षा के प्रयासों के प्रति समर्थन जताया। दोनों पक्षों ने उच्च स्तरीय संपर्कों और सहयोग को बढ़ाने तथा आपसी चिंता के प्रमुख मुद्दों पर राजनयिक समन्वय करने पर चर्चा की।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,